मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 118
रविवार, 09 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सबके लिए सुलभ हो न्यायः पीएम मोदी

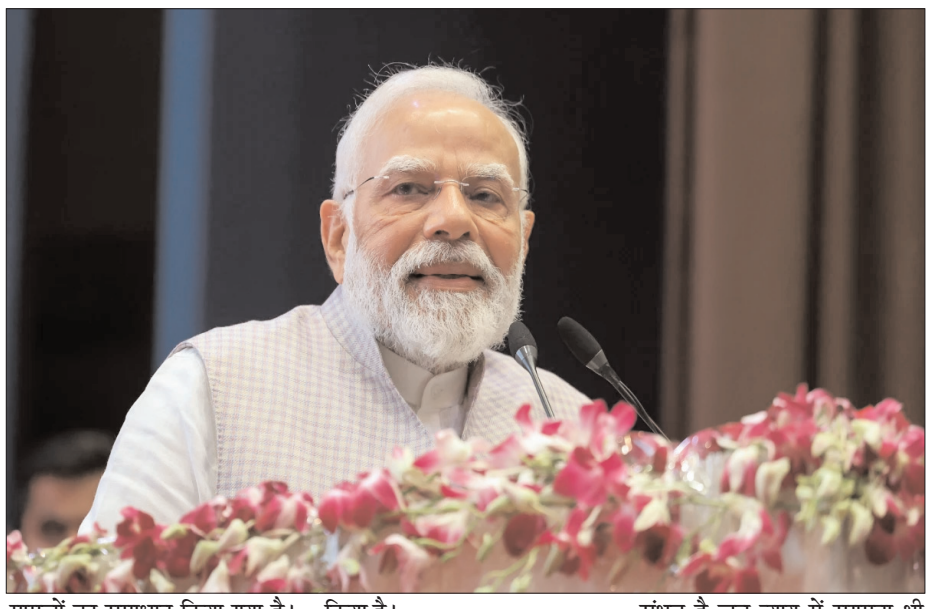

नई दिल्ली, 08 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि व्यापार में सुगमता और जीवन में सुगमता तभी संभव है जब न्याय में सुगमता सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री ने सर्वोच्च न्यायालय में 'कानूनी सहायता वितरण तंत्र को सुदृढ़ बनाने' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि न्याय सभी के लिए सुलभ हो, यह सुनिश्चित करने में कानूनी सहायता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मोदी ने कहा कि मुझे संतोष है कि आज लोक अदालतों और मुकदमे-पूर्व समझौतों के माध्यम से लाखों विवादों का शीघ्र, सौहार्दपूर्ण और कम लागत पर समाधान हो रहा है। भारत सरकार द्वारा शुरू की गई कानूनी सहायता बचाव परामर्श प्रणाली के तहत, केवल तीन वर्षों में लगभग 8,00,000 आपराधिक मामलों का समाधान किया गया है। इन सरकारी प्रयासों ने देश के गरीबों, दलितों, उत्पीड़ितों, शोषितों और वंचित वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित किया है।

उन्होंने कहा कि जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, व्यापार में सुगमता और जीवनयापन में सुगमता तभी संभव है जब न्याय में सुगमता भी सुनिश्चित हो। पिछले कुछ वर्षों में न्याय को और सुगम बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं और इसमें और तेजी लाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब न्याय सभी के लिए सुलभ हो, समय पर हो और जब यह सामाजिक या वित्तीय पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचे, तभी यह सामाजिक न्याय का आधार बनता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्यस्थता हमेशा से हमारी सभ्यता का हिस्सा रही है और नया मध्यस्थता अधिनियम इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इसे आधुनिक रूप दे रहा है। इस बात का उल्लेख करते हुए कि आज तकनीक समावेशिता और सशक्तिकरण का माध्यम बन रही है, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि न्याय प्रदान करने में ई-कोर्ट परियोजना भी इसका एक अच्छा उदाहरण है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) द्वारा तैयार सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण मॉड्यूल का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री पद की गरिमा कट्टा जैसे शब्दों के प्रयोग से गिर रही है : प्रियंका गांधी

कटिहार, 08 नवम्बर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कट्टा जैसे शब्दों का प्रयोग कर अपने पद की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। बिहार के कटिहार में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस आज वही लड़ाई लड़ रही है जो कभी महात्मा गांधी ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ी थी।

उन्होंने कहा, एक तरफ प्रधानमंत्री वंदे मातरम का गुणगान करते हैं, जो अहिंसा और एकता का प्रतीक है, और दूसरी तरफ कट्टा (देसी पिस्तौल) जैसी का इस्तेमाल करते हैं। क्या यह उनके पद की गरिमा के अनुरूप है?

कांग्रेस महासचिव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और उसने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को अपने दो कॉरपोरेट मित्रों को सौंप दिया है।

प्रियंका गांधी ने कहा, भाजपा को लगता है कि वह महिलाओं को 10,000 रुपए देकर उनका वोट खरीद लेगी। लेकिन बिहार की महिलाएं अब जागरूक हैं और अपना निर्णय सोच-समझकर लेंगी। उन्होंने कहा कि बिहार के मतदाता इस बार ऐसे शासन को चुनेंगे जो जनता के हितों और संवेदनाओं का सम्मान करे।

एसआईआर पर नजर रखी जाए, तमिलनाडु में वोट चोरी की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए : मुख्यमंत्री स्टालिन

तमिलनाडु, 08 नवम्बर। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की निगरानी की जानी चाहिए और तमिलनाडु में वोट चोरी की स्थिति नहीं आने दी जानी चाहिए।

टीवीके प्रमुख विजय पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए स्टालिन ने कहा कि कुछ लोग द्रमुक को नष्ट करने का सपना देखते हैं, लेकिन कोई भी उसे छूने की हिम्मत नहीं कर सकता।

द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने एक समारोह को संबोधित करते हुए तमिलनाडु में एसआईआर अभियान की शुरूआत का उल्लेख किया और कहा कि द्रमुक ने एसआईआर का विरोध करने के लिए दो नवंबर को कई दलों की एक बैठक की थी और उनकी पार्टी ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, हालांकि, कानूनी लड़ाई (न्यायालय में एसआईआर के खिलाफ द्रमुक की) एक पहलू है, मतदाता सूची संशोधन का काम भी साथ-साथ चल रहा है। इस पर नजर रखना हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। आपको यह नहीं भूलना चाहिए कि आज के संदर्भ में यह बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 11 नवंबर को द्रमुक के नेतृत्व वाला धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करेगा। स्टालिन ने कहा, आप जानते हैं कि पहले से प्रकाशित सूची के आधार पर, बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर (4 नवंबर से) फॉर्म बांट रहे हैं। ये फॉर्म चार दिसंबर तक भरकर जमा करने होंगे। एक संकट पैदा हो गया है, क्योंकि केवल इस तरह से जमा किए गए नाम ही मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे चार दिसंबर तक तीन बार दौरा करेंगे। स्टालिन ने कहा, अगर हम काम पर बाहर हैं, किसी काम में व्यस्त हैं, या घर पर नहीं हैं, तो हमें अपने मताधिकार खोने का जोखिम उठाना पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री ने विकास के नाम पर बिहार के साथ फर्जी वादे और धोखा किया : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 08 नवम्बर। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के विकास के नाम पर प्रदेश के साथ सिर्फ फर्जी वादे और धोखा किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि इस बार बिहार की जनता राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को सत्ता से हटाने के लिए वोट कर रही है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, राजग के 20 साल के शासन के बाद भी जब प्रधानमंत्री बिहार की धरती पर आते हैं, तो उन्हें बिहारियों के लिए सिर्फ. कट्टा और गोली याद आते हैं - लेकिन बिहार के विकास के नाम पर बस उनके पास ढेर सारे फर्जी वादे और धोखा है।

उन्होंने कहा, आज प्रधानमंत्री सीतामढ़ी और बेतिया में हैं। बिहार के साथ हुए भेदभाव और उपेक्षा को लेकर उनसे सीधे सवाल हैं। रमेश ने कहा, केंद्र सरकार ने 2021-22 में पीएम -मित्र योजना के तहत देश में 7 मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाने की घोषणा की थी। मई, 2023 में 7 राज्यों का चयन हुआ -इनमें बिहार का नाम नहीं था। जबकि अपने सांप्रदायिक बयानों के लिए कुख्यात कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, बिहार से ही हैं -फिर भी वे अपने राज्य के लिए एक भी टेक्सटाइल पार्क नहीं ला सके।

रमेश ने कहा, चुनाव के दौरान राजग के संकल्प पत्र में दावा किया गया कि मिथिला टेक्सटाइल पार्क और अंग सिल्क पार्क विकसित करके बिहार को दक्षिण एशिया का टेक्सटाइल हब बनाया जाएगा। उन्होंने दावा किया, जबकि सच यह है कि फरवरी 2025 में लोकसभा में कपड़ा मंत्रालय ने लिखित जवाब में कहा था बिहार से पीएम-मित्र के लिए कोई प्रस्ताव स्वीकृत नहीं हुआ है, और 2027-28 तक ऐसी कोई योजना भी नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा, राज्य सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि उसने पश्चिम चंपारण में पीएम -मित्र पार्क की स्थापना के लिए 10 दिसंबर, 2024 को कपड़ा मंत्रालय को पुनर्विचार हेतु प्रस्ताव भेजा था, लेकिन अब तक केंद्र सरकार ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

उनका कहना है, सवाल प्रधानमंत्री से है कि बिहार के साथ यह सौतेला व्यवहार और भेदभाव क्यों? रमेश ने कहा, 12 अप्रैल 2017 को राज्यसभा में भाजपा सरकार ने कहाः माता सीता के सीतामढ़ी में जन्म लेने का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है। यह जवाब भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान बिहार की आस्था, मिथिला की अस्मिता और सांस्कृतिक गौरव का सीधा अपमान है। रमेश ने कहा, सवाल प्रधानमंत्री से यह है कि जब आपकी ही सरकार ने संसद में बिहार की आस्था का अपमान किया- तो आज सीतामढ़ी की पवित्र धरती पर आने से पहले क्या आप सार्वजनिक माफी मांगेंगे? बिहार के धार्मिक स्थलों को संरक्षित और विकसित करने में आपकी दिलचस्पी क्यों नहीं है? उनके मुताबिक, मोतीहारी-शिवहर-सीतामढ़ी रेल लाइन परियोजना रद्द कर दी गई जबकि इस क्षेत्र के लोग वर्षों से इस रेल लाइन की मांग सालों से कर रहे थे। रमेश ने सवाल किया, सीतामढ़ी की जनता का क्या कसूर है? क्या प्रधानमंत्री उन्हें इसका जवाब देंगे? उन्होंने दावा किया कि बिहार की जनता पिछले 20 वर्षों से इस भाजपा -जद (यू) की इंजन सरकार के झूठे वादों एवं लगातार हुए भेदभाव को झेल रही है। रमेश ने कहा, इस बार बिहार बदलाव के लिए वोट करेगा। राजग को सत्ता से हटाने के लिए वोट करेगा।

राहुल और तेजस्वी सीमांचल को घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते हैंः अमित शाह

पूर्णिया , 08 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव बिहार के सीमांचल क्षेत्र को घुसपैठियों का अड्डा बनाने पर आमादा हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हर अवैध प्रवासी की पहचान करेगी, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएगी और उन्हें देश से बाहर भेजेगी।

पूर्णिया में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा, 243 सदस्यीय विधानसभा में राजग 160 से अधिक सीट पर विजय प्राप्त करेगा।

गृह मंत्री ने कहा, राज्य का आधा हिस्सा पहले ही कांग्रेस-राजद गठबंधन को बाहर का रास्ता दिखा चुका है। उन्होंने यह बात छह नवंबर को हुए पहले चरण के मतदान का हवाला देते हुए कही।

शाह ने कहा, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सीमांचल क्षेत्र को घुसपैठियों का अड्डा बनाने पर तुले हैं। हम हर अवैध प्रवासी की पहचान करेंगे, उनके नाम मतदाता सूची से हटवाएंगे और उन्हें उनके देश वापस भेजेंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि राज्य में सुशासन और सुरक्षा बनाए रखने के लिए राजग को पूर्ण बहुमत से विजयी बनाएं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

संसद का शीतकालीन सत्र एक से 19 दिसंबर तक : रीजीजू

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र एक से 19 दिसंबर तक चलेगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। रीजीजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर, 2025 तक (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन) आयोजित करने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, मैं एक रचनात्मक और सार्थक सत्र की आशा करता हूं जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करेगा और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

धर्म-स्थलों के हादसें-आखिर कब जागेगा तंत्र?

-ललित गर्ग

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मची भगदड़ में हुई दर्दनाक मौतों ने एक बार फिर हमारे प्रशासनिक ढांचे, सरकारों की संवेदनशीलता और तंत्र की जवाबदेही पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। हर बार ऐसी त्रासदी होती है, कुछ जानें जाती हैं, कुछ परिवार उजड़ते हैं, कुछ आंसू बहते हैं- फिर वही रटंत बयान, ह्लजांच के आदेश दे दिए गए हैंह्व, ह्लदोषियों पर कार्रवाई होगीह्व, ह्लपीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगाह्व और फिर सब कुछ धूल में मिल जाता है। सवाल यह है कि आखिर हम कब तक इस लापरवाही, इस प्रशासनिक नींद, इस जानलेवा कोताही और इस संवेदनहीन व्यवस्था का शिकार बने रहेंगे? किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, एक बार फिर भीड़ प्रबंधन की नाकामी श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। इस घटना

के बाद जिस तरह से बयान दिए जा रहे हैं, वह पीड़ितों के जले पर नमक छिड़कने जैसा है।

धार्मिक स्थल आस्था के केंद्र होते हैं, ऊर्जा के केन्द्र होते हैं, जहां लोग शांति और श्रद्धा पाने आते हैं, लेकिन यह कैसी विडंबना है कि इन पवित्र स्थलों पर भी लोगों को असमय मृत्यु का सामना करना पड़ता है। श्रीकाकुलम में जो कुछ हुआ, वह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक प्रणालीगत विफलता है। भीड़ प्रबंधन के नाम पर प्रशासन हर बार हाथ खड़े कर देता है। न पर्याप्त बैरिकेडिंग, न एंट्री-एग्जिट का संतुलन, न भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिसबल या वॉलंटियर, न मेडिकल सहायता का इंतजाम। मन्दिरों, त्योहारों और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बावजूद तैयारी का नामोनिशान नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी का यह मंदिर कुछ महीने पहले ही खोला गया था और राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि जिले के अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। हालांकि इससे यह जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती कि एक धार्मिक स्थल पर क्षमता से कई गुना ज्यादा लोग जुटते चले गए और फिर भी स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भनक कैसे नहीं लगी।

सरकार और मंदिर प्रबंधन की बातों से लग रहा है कि दोनों पक्ष घटना से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मंदिर का निर्माण ओडिशा के जिस शख्स हरि मुकुंद पांडा ने कराया है, उनका कहना है कि सीढ़ियों की रेलिंग टूटने से हादसा हुआ। लेकिन, यही वजह तो काफी नहीं। भगदड़ मचने के बाद श्रद्धालुओं को बाहर जाने का रास्ता नहीं मिल पाया, वह व्यवस्थापकों की लापरवाही का नतीजा है। मंदिर में आने-जाने का एक ही रास्ता था और जब भीड़ अनुमान से अधिक बढ़ती चली गई, तब भी पुलिस-प्रशासन को सूचित नहीं किया गया। इस पर पांडा का कहना कि इस घटना के लिए कोई जिम्मेदार नहीं, यह एक्ट ऑफ गॉड है- इक्कीसवीं सदी के वैज्ञानिक युग में इस तरह की सोच बेहद शर्मनाक है। यह उन लोगों की पीड़ा का मजाक उड़ाने जैसा है, जिन्होंने अपनों को खोया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। श्रीकाकुलम के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं।

यह कोई पहली घटना नहीं है। अतीत में प्रयागराज कुंभ, अयोध्या, हरिद्वार में प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर, सबरीमला, वैष्णो देवी, पुलकेश्वरम, देवरी मंदिर जैसे अनेक स्थलों पर भी ऐसी भगदड़ें हो चुकी हैं। चिंता की बात यह है कि पिछले हादसों से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है। केवल आंध्र में ही इस साल यह तीसरी बड़ी दुर्घटना है। जनवरी में तिरुपति और अप्रैल में विशाखापत्तनम के सिम्हाचलम में भगदड़ से कई मौतें हुई थीं। पूरे देश में इस साल अभी तक भगदड़ की विभिन्न घटनाओं में 114 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हर बार सरकारें ह्लसीख लेनेह्व की बात करती हैं, लेकिन हकीकत यह है कि सीखने की क्षमता हमारे तंत्र से जैसे गायब हो चुकी है। धार्मिक आयोजनों की भीड़ का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होता। आज तकनीक का युग है सीसीटीवी, ड्रोन, डिजिटल टिकटिंग, भीड़-सेंसरिंग सिस्टम जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। परंतु इनका उपयोग नहीं किया जाता क्योंकि धर्म और आस्था के नाम पर ह्लप्रबंधनह्व को हमेशा भाग्य पर छोड़ दिया जाता है। जब तक कोई हादसा न हो, तब तक कोई अधिकारी मंदिर परिसर में झांकने तक नहीं आता। और जब हादसा हो जाता है, तब ह्लप्रेस कॉन्फ्रेंसह्व और ह्लमुआवजाह्व की राजनीति शुरू हो जाती है। यह भी एक सामाजिक प्रश्न है कि क्या हमारी आस्था इतनी अंधी हो चुकी है कि हम सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर देते हैं? क्या धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और व्यवस्था का पालन करना हमारी श्रद्धा को कम कर देगा? श्रद्धा के नाम पर अराजकता, प्रशासनिक ढिलाई और अव्यवस्था का यह घातक संगम अब रुकना चाहिए। सरकारों को चाहिए कि वे भीड़ प्रबंधन को एक राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बनाएं। हर बड़े धार्मिक स्थल पर स्थायी भीड़ नियंत्रण तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें प्रवेश और निकास मार्ग स्पष्ट हों, आपातकालीन निकास गेट हों, प्रशिक्षित स्वयंसेवक हों, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की व्यवस्था हो। स्थानीय प्रशासन को नियमित तौर पर सुरक्षा मॉक ड्रिल करनी चाहिए।

आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। आज जरूरत है केवल मुआवजे और जांच की नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने की। कौन अधिकारी लापरवाह था, किस विभाग ने सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की, और क्यों भीड़ को अनियंत्रित छोड़ा गया- इन प्रश्नों का उत्तर दिए बिना जांच बेईमानी है। श्रीकाकुलम की यह त्रासदी एक और चेतावनी है। अगर अब भी सरकारें नहीं जागीं, तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी, क्योंकि धार्मिक आस्था बढ़ रही है, पर प्रबंधन की मानसिकता वही पुरानी बनी हुई है। भीड़ केवल संख्या नहीं होती, वह जीवन है, वह परिवार है, वह उम्मीद है और जब वह कुचल जाती है, तो यह केवल एक हादसा नहीं, शासन की असफलता एवं सरकारी कोताही की द्योतक है। तमिलनाडु के करूर में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय की रैली में हुआ हादसा हो या फिर श्रीकाकुलम की घटना - कुछ गलतियां बार-बार दोहराई जा रही हैं। हादसों के बाद सबक लेने के बजाय जिम्मेदार लोग और संस्थाएं बचने का रास्ता तलाशने लगते हैं। सरकारों को समझना होगा कि भीड़ प्रबंधन भारत जैसे देश की जरूरत है। मुआवजे की घोषणा करके मामले को हल्का किया जा सकता है, लेकिन जवाबदेही तय हो और लापरवाही पर सजा मिले। क्या यह पुकार अब भी सत्ता के कानों तक नहीं पहुंचेगी?

रेल सुरक्षाः सुधार की पटरियों पर कब चढ़ेगा सिस्टम?

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई।

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी ह्लघोषणापत्रह्व सरीखा बनाकर रख दिया है। बिलासपुर के लालखदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी ह्लकागज पर कवचह्व से ज्यादा कुछ नहीं है। इस हादसे की भयावहता के साथ ही जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो एक सिहरन सी उठती है। महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं।

बिलासपुर का हादसा तो इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, दोषियों पर कार्रवाई होगी, मुआवजा दिया जाएगा, जांच समिति गठित की गई है, और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल ह्लप्रतिक्रिया देने वाला तंत्रह्व बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है? भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी कि या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं।

इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से ह्लकवचह्व सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है। रेल प्रशासन का रवैया भी उतना ही असंवेदनशील है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन यह मुआवजा न किसी बच्चे को उसका पिता लौटा सकता है, न किसी पत्नी को उसका पति, न किसी मां को उसका बेटा। जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है।

यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को ह्लविश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्थाह्व कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं। ऐसी किसी भी घटनां के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या वंदे भारत उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है। भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1,548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50,000 किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि जब देश अंतरिक्ष में चंद्रयान उतार सकता है तो पटरियों पर सुरक्षित यात्रा क्यों नहीं सुनिश्चित कर सकता? यह केवल तकनीक का नहीं, प्राथमिकता का प्रश्न है। जब तक सुरक्षा को मुनाफे से ऊपर नहीं रखा जाएगा, जब तक रेल बजट में सुरक्षा खंड को लागत नहीं बल्कि निवेश नहीं माना जाएगा, तब तक यह रक्तरंजित यात्रा जारी रहेगी।

बहरहाल, अब समय आ गया है, जब रेल हादसों को मात्र दुर्घटनाएं कहकर टाला नहीं जा सकता क्योंकि ये घटनाएं अब प्रशासनिक अपराधों का रूप ले चुकी हैं। हर साल निर्दोष नागरिकों की जानें जाती हैं और जिम्मेदारी जांच रिपोर्टों की धूल में दबी रह जाती है। देश को अब उस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, जहां ह्लहादसे के बाद कार्रवाईह्व ही नीति बन चुकी है। आवश्यकता है ऐसी व्यवस्था की, जो दुर्घटनाओं से पहले सतर्कता और रोकथाम सुनिश्चित करे। यात्रियों की सुरक्षा कोई दया नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है, जो केवल कागज पर नहीं, पटरियों पर भी सुरक्षित होना चाहिए। जब तक हर ट्रेन यात्रा भय से नहीं, विश्वास से शुरू और समाप्त नहीं होती, तब तक भारतीय रेल प्रगति की नहीं, असंवेदनशीलता की प्रतीक बनी रहेगी। सच्चा विकास तभी होगा, जब हर गंतव्य तक पहुंचने वाली ट्रेन हर यात्री को सुरक्षित जीवन की गारंटी दे सके।

- योगेश कुमार गोयल

भारत रत्न आडवाणी ने राजनीति को नई दिशा और मतदाताओं को मजबूत विकल्प दिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और लालकृष्ण आडवाणी को आज उनके जन्मदिन पर बधाई दी और उन्हें एक महान दृष्टिकोण वाला राजनेता बताया। हम आपको बता दें कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा को एक मजबूत ताकत के रूप में उभारने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी आज 98 वर्ष के हो गए। भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित आडवाणी ने भारत के लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी है। लालकृष्ण आडवाणी का जीवन भारतीय लोकतंत्र के एक ऐसे युग का साक्षी है, जिसमें कांग्रेस की एकाधिकारवादी राजनीति को पहली बार वैकल्पिक चुनौती मिली।

अविभाजित भारत के कराची में 8 नवंबर 1927 को जन्मे आडवाणी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अपना सार्वजनिक जीवन आरंभ किया। यह पृष्ठभूमि उनके राजनीतिक व्यक्तित्व का आधार बनी यानि अनुशासन, संगठन और राष्ट्रनिष्ठा का त्रिवेणी संगम। आडवाणी का जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक का सफर, किसी राजनीतिक दल की कहानी भर नहीं है; यह उस विचार का प्रस्फुटन है जो यह कहता है कि लोकतंत्र में केवल एक पार्टी का वर्चस्व स्थायी नहीं रह सकता। आडवाणी ने इस सत्य को समझा, जिया और उसे जनांदोलन का रूप दिया।

स्वतंत्रता के बाद भारतीय राजनीति लम्बे समय तक कांग्रेस के प्रभाव में रही। विपक्ष बिखरा हुआ और असंगठित था। ऐसे समय में आडवाणी ने संगठन के महत्त्व को पहचाना। उन्होंने न केवल भाजपा को संगठित ढाँचा दिया, बल्कि उसे वैचारिक दृढ़ता भी प्रदान की। उनकी रथयात्रा न केवल भाजपा को जनभावनाओं के केंद्र में लायी बल्कि देश के राजनीतिक विमर्श को ही बदल दिया। जनता को यह विश्वास हुआ कि सत्ता परिवर्तन अब असंभव नहीं है। आडवाणी ने लोकतंत्र को जीवंत प्रतिस्पर्धा का रूप दिया। उन्होंने दिखाया कि विपक्ष केवल आलोचना तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि उसे विकल्प बनना चाहिए– विचार का, नेतृत्व का और नीति का। यही उनके जीवन का सबसे बड़ा योगदान रहा।

आडवाणी की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने संगठन को व्यक्ति से ऊपर रखा। उन्होंने नेतृत्व के भीतर सामूहिकता की भावना को पल्लवित किया। भाजपा के विस्तार में उनका योगदान केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी है। उन्होंने राष्ट्रीय चेतना को आधुनिक लोकतांत्रिक विमर्श से जोड़ा। आपातकाल के दौरान उनका संघर्ष लोकतंत्र की मर्यादा का प्रतीक रहा। जब कई लोग सत्ता के भय में मौन थे, तब आडवाणी ने असहमति को देशभक्ति का रूप दिया। यही साहस आगे चलकर भाजपा के चरित्र का हिस्सा बना।

आडवाणी की राजनीति में केवल संघर्ष नहीं, समावेश भी था। जब वह उपप्रधानमंत्री बने, तब भाजपा ने पहली बार बहुदलीय गठबंधन के रूप में सत्ता संभाली। यह भारतीय राजनीति के परिपक्व होने का संकेत था। उन्होंने दिखाया कि राष्ट्रीय हित में मतभेद भी सहयोग में बदल सकते हैं। गठबंधन-राजनीति की यह परंपरा भारतीय लोकतंत्र की स्थिरता की एक बड़ी गारंटी बनी। यह भी सही है कि आडवाणी का राजनीतिक जीवन विवादों से अछूता नहीं रहा। अयोध्या आंदोलन ने उन्हें जहां अपार जनसमर्थन दिलाया, वहीं आलोचना का भी केंद्र बनाया। किंतु यही

लोकतंत्र की खूबसूरती है– जहाँ विचारों की विविधता को भी इतिहास दर्ज करता है। आडवाणी की सबसे बड़ी विशेषता यही रही कि उन्होंने विवाद से विमर्श की दिशा निकाली। वह संवाद को टकराव से ऊपर मानते हैं। आज भारतीय लोकतंत्र में भाजपा के रूप में जो सशक्त वैकल्पिक शक्ति खड़ी है, उसकी नींव एक तरह से आडवाणी ने ही रखी। उन्होंने यह सिद्ध किया कि लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन का साधन नहीं, बल्कि वैचारिक प्रतिस्पर्धा का उत्सव है। उनकी राजनीति ने जनसंघ से भाजपा तक एक ऐसी यात्रा तय की जिसमें विचार, संगठन और जनविश्वास एक सूत्र में बंधे। देखा जाये तो राजनीति में कुछ ही ऐसे नेता होते हैं, जिनके कार्य और दृष्टि केवल किसी दल को नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्रीय विमर्श को नई दिशा देते हैं। लालकृष्ण आडवाणी निस्संदेह उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने न केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को संगठनात्मक रूप से सशक्त किया, बल्कि हिंदुत्व की सांस्कृतिक चेतना को राजनीतिक अभिव्यक्ति में बदलने का ऐतिहासिक कार्य भी किया। उनके नेतृत्व में जन्मा और विस्तृत हुआ राम मंदिर आंदोलन, आधुनिक भारत के सबसे बड़े और दीर्घकालिक जनआंदोलनों में से एक माना जाता है। खास बात यह रही कि राम मंदिर आंदोलन अपने लक्ष्य में सफल भी रहा क्योंकि श्रीरामजन्मभूमि पर ही भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ।

देखा जाये तो आडवाणी का राजनीतिक दृष्टिकोण केवल चुनावी गणित तक सीमित नहीं था। उन्होंने भारतीय समाज की गहराइयों में विद्यमान सांस्कृतिक अस्मिता को राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का मुद्दा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बन गया। आडवाणी ने इसे राष्ट्र की आत्मा से जोड़ा और इसे ह्लराष्ट्रीय गौरव का प्रश्नह्व कहा। उनकी 1990 की ऐतिहासिक राम रथ यात्रा जो सोमनाथ से अयोध्या तक चली, उसने हिंदू समाज को आत्म-स्वर देने का कार्य किया। यह यात्रा मात्र राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक मानस को आंदोलित करने वाली यात्रा थी। जहां भी रथ पहुँचा, वहां लाखों की भीड़ एक विचार से जुड़ने लगी– ह्लराम हमारे हैं, राम राष्ट्र के हैं।ह्व यही वह बिंदु था जिसने भाजपा को विचार की पार्टी से जनांदोलन की पार्टी बना दिया।

साथ ही 1980 के दशक में भाजपा जब अपने आरंभिक चरण में थी, तब वह महज दो सीटों तक सीमित रह गई थी। ऐसे कठिन समय में आडवाणी ने पार्टी को सिद्धांतों से जोड़े रखने और संगठन को विस्तार देने की दोहरी भूमिका निभाई। उन्होंने जनसंघ की अनुशासन परंपरा को आगे बढ़ाया और पार्टी में विचारधारा को प्राथमिकता देने का संस्कार विकसित किया। भाजपा के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने सांगठनिक संरचना को नई ऊंचाई दी और बूथ स्तर तक कार्यकर्ता नेटवर्क को मजबूत किया, युवा मोर्चा और महिला मोर्चा को सक्रिय किया और विचार-विस्तार के लिए ह्लपार्टी विद ए डिफरेंसह्व की अवधारणा दी। यही संगठनात्मक शक्ति बाद में भाजपा को राष्ट्रीय राजनीति का केंद्रीय स्तंभ बना गई।

आडवाणी ने हिंदुत्व को कभी धार्मिक अवधारणा के रूप में नहीं देखा। उन्होंने इसे ह्लराष्ट्रीय पहचान का सांस्कृतिक बोध कहा यानि एक ऐसी चेतना जो भारतीयता को एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने तर्क दिया कि हिंदुत्व भारत के जीवन-मूल्यों का प्रतीक है, जो सहिष्णुता, समरसता और आध्यात्मिकता का संगम है। यही दृष्टिकोण उन्हें एक सांस्कृतिक राजनेता के रूप में अलग करता है। उन्होंने सकारात्मक राष्ट्रवादह्व की अवधारणा प्रस्तुत की, जो किसी के विरोध पर नहीं, बल्कि अपने गौरव के पुनर्स्थापन पर आधारित थी। आडवाणी की राम रथ यात्रा, स्वर्ण जयंती यात्रा और भारत गौरव यात्रा सिर्फ राजनीतिक आयोजन नहीं थीं। वे संवाद के साधन थे, जिनसे भाजपा ने जनता के बीच अपनी वैचारिक उपस्थिति दर्ज कराई। इन यात्राओं ने भाजपा को उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक एक अखिल भारतीय पार्टी के रूप में स्थापित किया। 1990 की रथ यात्रा ने जहां भाजपा को एक सांस्कृतिक मिशन दिया, वहीं 1997 की स्वर्ण जयंती यात्रा ने पार्टी को प्रशासनिक और शासन के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। यह यात्रा-संस्कृति आज भी भाजपा की जनसंपर्क परंपरा में दिखाई देती है।

लालकृष्ण आडवाणी का योगदान केवल एक आंदोलन की सफलता या एक पार्टी के उत्थान तक सीमित नहीं है। उन्होंने भारत की राजनीति को विचार की राजनीति बनाया– जहां भावनाएं, सिद्धांत और संगठन एक साथ चलते हैं। उनके रथ ने केवल सड़कों की यात्रा नहीं की, बल्कि भारतीय मानस की यात्रा की। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी भाजपा की वैचारिक जड़ें और सांगठनिक ताकत, दोनों की नींव आडवाणी जैसे दूरदर्शी नेतृत्व ने ही रखी। उनकी यात्रा हमें यह सिखाती है कि राजनीति केवल सत्ता की सीढ़ी नहीं, बल्कि जनचेतना का माध्यम भी हो सकती है। लालकृष्ण आडवाणी भारतीय राजनीति के वह अध्याय हैं, जिन्होंने विचार को आंदोलन और आंदोलन को राष्ट्रीय नीति में रूपांतरित किया।

बहरहाल, भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी का जन्मदिन हमें केवल एक वरिष्ठ नेता की उपलब्धियों की याद नहीं दिलाता, बल्कि यह भी स्मरण कराता है कि लोकतंत्र में विचारों की जीवंतता कितनी आवश्यक है। उन्होंने दिखाया कि लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन केवल विपक्ष के नारे से नहीं, बल्कि संगठन, वैचारिक दृढ़ता और जनविश्वास से होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सही कहा है कि आडवाणी जी निस्वार्थ कर्तव्य और अटल आदर्शों के प्रतीक हैं। सचमुच, वह भारतीय राजनीति के ऐसे शिल्पकार हैं जिन्होंने लोकतंत्र को नई दिशा दी– जहाँ विकल्प केवल विचार नहीं, एक सशक्त व्यवस्था बन गया।

-नीरज कुमार दुबे

राहुल की प्रेस कांफ्रेंस यानी बिहार में हार की पेशबंदी

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में पहले चरण की 121 सीटों पर मतदान से एक दिन पहले दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग और बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट कर हरियाणा में डुप्लिकेट वोटर्स से लेकर बल्क वोटर्स तक, कैटेगरी वाइज आंकड़े भी बताए हैं। इससे पहले भी राहुल गांधी वोट चोरी का मुद्दा उठा चुके हैं। लेकिन वो चुनाव आयोग में शपथ पत्र देकर शिकायत और अदालत का दरवाजा नहीं उठाते हैं। बस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से बेबुनियाद आरोप और दावे करते रहते हैं। असल में पटना से करीब 1100 किलोमीटर दूर जब राहुल गांधी हरियाणा विधानसभा चुनाव में फर्जी वोटिंग के किस्से सुना रहे थे तब ऐसा लग रहा था मानो वो बिहार में महागठबंधन की होने वाली हार के लिए पेशबंदी कर रहे हैं।

राहुल गांधी के वोट चोरी पर बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग ने भी कहा है कि कांग्रेस को डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाने के लिए शिकायत दर्ज करवानी चाहिए थी। मीडिया रिपोर्ट के अुनसार हरियाणा राज्य की मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील नहीं दायर की गईं।

राहुल गांधी के इस दावे को लेकर काफी विवाद हो रहा है। इनमें भी सबसे बड़ा विवाद तो ये है कि राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि जिन 22 वोटर कार्ड पर एक ही मॉडल ही तस्वीर है, उन वोटर कार्ड से चुनावों में वोट डाले गए हैं। ये सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि राहुल गांधी जिस वोटर लिस्ट को दिखाकर ये पूरा दावा कर रहे हैं, वो वोटर लिस्ट मतदान के बाद की नहीं बल्कि मतदान से पहले की है। सोचिए मतदान से पहले की वोटर लिस्ट से राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि इन वोटर कार्ड से चुनावों में वोटिंग भी हुई। मीडिया की पड़ताल में राहुल गांधी के दावे झूठे साबित हुए।

सवाल यह भी है कि अगर कोई गड़बड़ी थी तो कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट्स ने संशोधन के दौरान एक ही नाम की एक से अधिक प्रविष्टियों को रोकने के लिए कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की? वहीं अगर कई नामों के दोहराव से बचना था, तो संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए) ने कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बिहार और हरियाणा दोनों में कांग्रेस के बूथ एजेंटों ने संशोधन के दौरान दोहराए गए नामों को लेकर कोई दावा या आपत्ति नहीं दर्ज की। वही सवाल यह भी है कि वोटर लिस्ट चुनाव से पहले उपलब्ध होती है। अगर कोई नाम छूट गया है, तो उसे जुड़वाने की व्यवस्था होती है। वास्तव में, कांग्रेस और कई विपक्षी दल सत्ता हासिल करने के लिए किसी ने किसी बहाने देश की जनता को संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उकसाते रहते हैं। चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई से लेकर तमाम दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करते रहते हैं। राहुल गांधी तो चुनाव आयोग के अधिकारियों को खुली धमकी दे चुके हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वो जांच करवाएगी। वैसे अब तक चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली को लेकर विपक्ष के आरोप फर्जी और बेबुनियाद ही साबित हुए हैं।

प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने मीडिया का परिचय बिहार के कुछ ऐसे लोगों से भी कराया है, जिनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं और इन लोगों का कहना है कि चुनाव आयोग की तरफ से उनके पास कभी कोई आया ही नहीं और बिना बताए उनका नाम वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिया गया। अब यहां पता है समस्या क्या आ रही है। समस्या ये है कि राहुल गांधी देश को ये बता रहे हैं कि वोटर लिस्ट में क्या त्रुटियां हैं लेकिन चुनाव आयोग जब इन त्रुटियों को सुधारने के लिए वोटर लिस्ट का रिवीजन करना चाहता है तो वो इसका भी विरोध करते हैं। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या राहुल गांधी एसआईआर का समर्थन कर रहे हैं या इसका विरोध? सवाल यह है कि जिन लाखों वोटरों का वोट कटा है, वो चुपचाप अपने घरों में बैठकर राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस का इंतजार क्यों कर रहे थे, उन्हें तो सड़कों पर उतर आना चाहिए था।

वास्तव में, राहुल गांधी एक अगंभीर राजनीतिज्ञ हैं। उनकी राजनीति का मकसद सेवा की बजाय मेवा खाना और कमाना है। देश की जनता से जुड़ाव दिखाने के लिए वो किसान, ड्राइवर, कारपेंटर, हलवाई, कुली या पुताई वाले का अभिनय करते दिखते तो जरूर हैं, लेकिन राजनीति और देश को लेकर उनकी समझ अल्प है। वहीं उनकी एक समस्या यह भी है कि मोदी सरकार के खिलाफ वो जो आरोप लगाते हैं, उनका कोई ठोस आधार या प्रमाण उनके पास नहीं है। चौकीदार चोर है, हिंडनबर्ग रिपोर्ट से लेकर वोट चोरी तक उनके सारे दावे और आरोप हवा हवाई ही साबित हुए हैं। वहीं वो किसी एक मुद्दे पर टिकते नहीं हैं। मोदी सरकार के खिलाफ वो पिछले एक दशक में कई आरोप लगा चुके हैं। लेकिन चंद दिनों के शोर शराबे के बाद वो कोई नया आरोप लगाने लगते हैं। देश की जनता मोदी और राहुल गांधी के बीच का फर्क सही से समझ रही है। इसलिए कांग्रेस सत्ता से दूर है। राहुल गांधी के पास पक्के सुबूत हों तो उन्हें छाती ठोककर चुनाव आयोग में शपथ पत्र दाखिल कर शिकायत दर्ज करनी चाहिए, अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए। लेकिन वो ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि उनके आरोप केवल जनता को उकसाने के लिए हैं, संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं के प्रति नाराजगी का माहौल बनाने का है। कांग्रेस और विपक्ष के कई दलों का इको सिस्टम देश में अस्थिरता, अशांति और अराजकता का माहौल बनाने की फिराक में है। देशी राजनीतिक दलों के इन षड्यंत्रों में विदेशी ताकतें खद पानी मुहैया करवा रही हैं। आजकल राहुल गांधी जेन जी को बहला फुसलाकर सड़कों पर उतारना चाहते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरूआत में राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी को रोकने के लिए भारत के जेन-जी युवाओं को आगे आना होगा। राहुल गांधी बार-बार जेन-जी युवाओं का जिक्र कर रहे हैं, जिससे ये सवाल खड़ा होता है कि क्या वो भारत के युवाओं को सरकार के खिलाफ आंदोलन करने के उकसा रहे हैं? ये आरोप बीजेपी लगा रही है।

पिछले कुछ महीनों में जेन-जी युवाओं ने सिर्फ नेपाल में सरकार के खिलाफ हिंसक आंदोलन नहीं किया है, बल्कि मोरक्को, मेडागास्कर, पेरू, फिलीपींस, केन्या और यहां तक कि इंडोनेशिया में भी चुनी हुई सरकारों के खिलाफ जेन-जी युवा हिंसक आंदोलन कर चुके हैं और इनमें कुछ देशों में उन्होंने तख्तापलट भी कर दिया है. पिछले साल बांग्लादेश में भी जो तख्तापलट हुआ था, उसके पीछे भी जेन-जी छात्रों का हिंसक आंदोलन था, जिससे अब बीजेपी राहुल गांधी की मंशा पर सवाल उठा रही है। जिस तरह से विदेशी ताकतें भारत के बढ़ते कदमों को रोकना चाहती हैं। ऐसे में विपक्ष खासकर कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी और व्यवहार इस ओर इशारा करता है कि वो सत्ता हासिल करने के लिए वोट की बजाय तख्तापलट पर ज्यादा यकीन करते हैं। कुल मिलाकर जमीन और जनता से कटे नेता और राजनीतिक दल बिहार चुनाव में अपनी हार को देखकर वोट चोरी का पुराना राग अभी से गाने लगे हैं। राहुल गांधी वोट चोरी का राग सबसे ऊंची आवाज में गा रहे हैं।

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

एंटरप्रेन्योर ईशा जैन ने ए 29 वेलबीइंग लॉन्च किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई ने हाल ही में वेलनेस, स्टाइल और माइंडफुल लिविंग का एक शानदार संगम देखा, जब एंटरप्रेन्योर और क्रिएटिव विजनरी ईशा जैन ने अपना नया ब्रांड ए29 वेलबीइंग लॉन्च किया। इस ग्रैंड लॉन्च में फिटनेस, फैशन और एंटरटेनमेंट की दुनिया की जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं, जिनमें सुनील शेट्टी, सोनू सूद, कृष्णा श्रॉफ, अर्जन बाजवा, मधुर भंडारकर, गुलशन ग्रोवर और श्रिया सरन जैसे नाम शामिल हैं। अपने मूल में, ए29 वेलबीइंग आधुनिक वेलनेस के विकास में एक नया अध्याय है, जो प्रीमियम एक्टिववियर, होलिस्टिक तरीकों और कम्युनिटी-ड्रिवन अनुभवों को एक सहज लाइफस्टाइल मूवमेंट में मिलाता है। ब्रांड का पहला कलेक्शन पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए हाई-परफॉर्मेंस एक्टिववियर पेश करता है, जो सांस लेने योग्य, डायनामिक फैब्रिक से बने हैं जो सुबह से रात तक मूवमेंट और आराम देते हैं। इस रेंज में टी-शर्ट, स्पोर्ट्स ब्रा, लेगिंग, शॉर्ट्स, जॉगर्स और हुडेड वेस्ट शामिल हैं, जो सभी आत्मविश्वास, फंक्शनैलिटी और सहज स्टाइल को दर्शाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। कपड़ों की लाइन के साथ कैप, बैग, बोतलें और योगा मैट जैसे एक्सेसरीज का एक क्यूरेटेड कलेक्शन भी है जो इनोवेशन को मिनिमल डिजाइन के साथ जोड़ता है, जिससे ए29 रोजमर्रा की जिंदगी के लिए एक कम्प्लीट वेलनेस साथी बन जाता है। ए29 की पूरी प्रोडक्ट रेंज विशेष रूप से A29wellbeing.com पर ऑनलाइन उपलब्ध है, जिससे यह पूरे भारत में वेलनेस के शौकीनों के लिए आसानी से उपलब्ध है। इस विश्वास पर स्थापित कि वेलबीइंग कोई लग्जरी नहीं बल्कि एक लाइफस्टाइल है, ए29 फिटनेस से आगे बढ़कर एक ऐसा कल्चर बनाता है जहाँ डिजाइन डिसिप्लिन से मिलता है और सेल्फ-केयर सादगी से मिलती है। ईशा जैन कहती हैं, ए29 सिर्फ एक ब्रांड नहीं है; यह माइंडफुल लिविंग और कम्प्लीट वेलबीइंग की दिशा में एक मूवमेंट है,ह्व और साथ ही यह भी कहती हैं कि विजन वेलनेस को फिर से सुंदर, मल्टीडाइमेंशनल और मानवीय बनाना है।

राजन नाईक ने पादुका पूजन कर प्राप्त किया आशीर्वाद

वसई (उत्तरशक्ति)। जगतगुरु रामानंदाचार्य दक्षिणपीठ, नानीजाधाम के तत्वावधान में सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों के अंतर्गत ज्ञानदान एवं पादुका पूजन का भव्य समारोह साईं नगर मैदान, वसई पश्चिम में संपन्न हुआ। यह दिव्य आयोजन परम पूज्य जगतगुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य जी महाराज के आशीर्वाद से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में नालासोपारा के आमदार राजन नाईक ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज की और पादुका पूजन कर परम पूज्य गुरुवर्या का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ह्लज्ञानदान सर्वोत्तम दान है, परम पूज्य गुरुवर्या की कृपा से विद्यार्थी प्रेरित एवं धन्य हों, यही मेरी हार्दिक भावना है। कार्यक्रम में पूर्व महापौर नारायण मानकर, मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, सिद्धार्थ तावड़े सहित अनेक भक्तजन एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस समारोह के दौरान विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री का वितरण भी किया गया, जिससे उपस्थित जनों में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण व्याप्त रहा।

भारतीय छात्र सुरक्षित मेडिकल शिक्षा के लिए फिलीपींस की ओर क्यों बढ़ रहे हैं?

मुंबई। वैश्विक इमिग्रेशन नियमों में हो रहे बदलाव के इस दौर में, मेडिकल शिक्षा में स्थिरता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। सितंबर 2025 में H-1B वीजा आवेदन फीस 1,00,000 अमेरिकी डॉलर हो जाना स्पष्ट संकेत देते है कि वीजा पर निर्भर रास्ते जल्दी ही असुरक्षित हो सकते हैं। भारतीय मेडिकल छात्रों के लिए, जो वर्षों की मेहनत और बचत को निवेश करते हैं, उनके लिए अब एक सुरक्षित, मान्यता प्राप्त और किफायती जगह चुनना अनिवार्य हो गया है – और ऐसी स्थिति में फि लिपींस सबसे भरोसेमंद विकल्पों में से एक के रूप में उभरा है। ट्रांसवर्ल्ड एजुकेयर के सीईओ और संस्थापक अध्यक्ष डॉ. डेविड पिल्लै भारत की स्थिति इस आवश्यकता को और भी स्पष्ट करती है। 2025 में, 23 लाख छात्रों ने NEET-UG के लिए रजिस्ट्रेशन किया, जिनमें से 22 लाख ने परीक्षा दी और केवल 12 लाख उत्तीर्ण हुए – यह सब केवल 1.23 लाख MBBS सीटों के लिए 780 कॉलेजों में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। जबकि सरकारी कॉलेज सीमित हैं, वही निजी कॉलेज अक्सर 50 लाख से 1 करोड़ तक शुल्क लेते हैं, जिससे कई योग्य छात्रों के पास विदेश जाने के अलावा ज्यादा विकल्प नहीं बचते। ट्रांसवर्ल्ड एजुकेयर के सीईओ और संस्थापक अध्यक्ष डॉ. डेविड पिल्लै हालाँकि, हर विदेशी मेडिकल विश्वविद्यालय भारत में एक सुरक्षित या मान्य करियर सुनिश्चित नहीं करता। राष्ट्रीय मेडिकल आयोग के नियमों के अनुसार, छात्रों को NEET परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है, कम से कम 54 महीने एक ही संस्थान में पढ़ाई करनी होती है, एक साल की इंटर्नशिप पूरी करनी होती है, और शिक्षा अंग्रेजी माध्यम में होनी चाहिए। गैर-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की डिग्री भारत में लाइसेंस या FMGE/NExT के लिए योग्य नहीं मानी जाएगी। इसलिए, NMC मान्यता छात्र के दीर्घकालिक भविष्य की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुनिया भर में बदलती वीजा और इमिग्रेशन नीतियों ने छात्रों को अधिक भरोसेमंद और स्थिर गंतव्यों की ओर प्रेरित किया है।

सूरत-नांदेड़ एक्सप्रेस रेल शुरू करने की मांग

सांसद डॉ. हेमंत सवरा को सौंपा गया ज्ञापन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मराठवाड़ा के यात्रियों, विद्यार्थियों और नौकरीपेशा वर्ग के लिए राहत की खबर बन सकने वाली सूरत से नांदेड़ (कल्याण-वसई विरार-छत्रपति संभाजीनगर मार्गे) एक्सप्रेस रेल शुरू करने की मांग जोर पकड़ रही है। मुंबई पश्चिम क्षेत्र के मराठवाड़ा मित्र मंडल की ओर से यह मांग उठाई गई है। मंडल के प्रतिनिधि दर्शन भंडारे ने इस संबंध में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सवरा को एक लिखित ज्ञापन सौंपा है।

उक्त पत्र जरिये में बताया गया है कि मराठवाड़ा के कई व्यापारी, औद्योगिक कर्मचारी, प्रशासकीय अधिकारी, विद्यार्थी और नौकरी की तलाश में निकले लोग फिलहाल मुंबई के पश्चिम उपनगरों बोरीवली, भाईंदर, वसई-विरार, पालघर, बोईसर के साथ-साथ गुजरात के वापी, वलसाड और सूरत जैसे शहरों में स्थायी रूप से बसे हुए हैं। बावजूद इसके, इन क्षेत्रों से छत्रपति संभाजीनगर, जालना, लातूर, हिंगोली, परभणी, नांदेड़ और धमार्बाद जैसे प्रमुख मराठवाड़ा शहरों के बीच सीधी रेल सेवा उपलब्ध नहीं है। इस कारण यात्रियों को कई जगह ट्रेनें बदलकर जोखिमभरा और समय लेने वाला सफर करना पड़ता है। बढ़ती हुई यात्री संख्या के कारण रेल आरक्षण में भी काफी दिक्कतें आती हैं, जिससे मराठवाड़ाझमुंबईझगुजरात मार्ग के नागरिकों को भारी असुविधा झेलनी पड़ती है। निवेदन में यह भी बताया गया कि मराठवाड़ा के कई छात्र उच्च शिक्षा के लिए छत्रपति संभाजीनगर, नासिक या मुंबई आते हैं, वहीं औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी और नौकरीपेशा वर्ग को भी नियमित यात्रा करनी पड़ती है। ऐसे में सूरतझनांदेड़ एक्सप्रेस रेल शुरू होने से यात्रियों को न केवल सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा, बल्कि उनके समय और खर्च दोनों की बचत होगी। मराठवाड़ा मित्र मंडल और प्रवासी नागरिकों ने उम्मीद जताई है कि रेलवे मंत्रालय इस मांग पर गंभीरता से विचार कर जल्द से जल्द इस महत्वपूर्ण रेल सेवा को शुरू करेगा।

बिहार चुनाव में यदि राजग की हार हुई तो आश्चर्य नहीं होगा: पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) के नेता शरद पवार ने शनिवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार विधानसभा चुनाव हार जाता है तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि इस पूर्वी राज्य के लोग बदलाव चाहते हैं। पवार ने पत्रकारों से कहा कि बिहार देश के बाकी राज्यों से अलग है और यह भारतीय राजनीति के कुछ निर्णायक क्षणों का साक्षी रहा है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि हालांकि उन्होंने बिहार में प्रचार नहीं किया है लेकिन राज्य में अपने संपर्कों से मिली जानकारी के अनुसार, अगर राजग सत्ता खो देता है तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा। उन्होंने कहा, बिहार के लोग बदलाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह एक गरीब राज्य है लेकिन यहां के नागरिक राजनीतिक रूप से जागरूक हैं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान चंपारण में महात्मा गांधी का आंदोलन, आपातकाल के खिलाफ जयप्रकाश नारायण का आंदोलन और विपक्ष में रहते हुए इंदिरा गांधी का हाथी पर सवार होकर बेलछी का दौरा करना, भारतीय राजनीति के निर्णायक क्षण हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ जो राज्य के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक मतदान है। सत्तारूढ़ राजग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दो दशक के शासन के आधार पर राज्य में सत्ता बरकरार रखने की उम्मीद कर रहा है जबकि राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला विपक्ष कुशासन का हवाला देते हुए एवं नौकरी देने के वादों के साथ वोट मांग रहा है।

मुंबई पुलिस की अभिरक्षा से फरार बांग्लादेशी नागरिक दुर्ग से गिरफ्तार

मुंबई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शासकीय रेल पुलिस (जीआरपी) ने मुंबई से फरार बांग्लादेशी नागरिक को शालीमार एक्सप्रेस ट्रेन से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार की शाम मुंबई पुलिस ने दुर्ग जीआरपी को सूचना दी कि एक बांग्लादेशी नागरिक कुर्ला-हावड़ा शालीमार एक्सप्रेस से हावड़ा की ओर रवाना हुआ है।

मुंबई पुलिस की सूचना पर दुर्ग जीआरपी ने शाम लगभग सात बजे शालीमार एक्सप्रेस के दुर्ग पहुंचते ही उसकी तलाशी ली और एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। उन्होंने बताया कि जब संदिग्ध से पूछताछ की गई तब उसने मौके पर कोई दस्तावेज नहीं दिखाया या और सवालों के गोलमोल जवाब देने लगा। बाद में उससे थाने लाकर कड़ाई से पूछताछ की गई।

अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के दौरान व्यक्ति ने अपना नाम आजमीन शेख (19) बताया तथा वह बांग्लादेश के नोडाइल जिले का निवासी है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के बाद दुर्ग जीआरपी ने इसकी सूचना मुंबई पुलिस को दी।

सूचना मिलने के बाद मुंबई पुलिस दुर्ग पहुंच गई है और आरोपी को अपने साथ ले जाने की प्रक्रिया पूरी कर रही है। जीआरपी दुर्ग के थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया की आरोपी आजमीन के खिलाफ नवी मुंबई के रबाले थाने में अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने का मामला दर्ज है। वह मुंबई पुलिस की अभिरक्षा से फरार होकर बांग्लादेश जाने की कोशिश में था।

भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय मुंबई सार्वजनिक पार्टी प्रवेश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पहले राष्ट्र, फिर पार्टी और अंत में स्वयं की राष्ट्रवादी विचारधारा में आस्था रखते हुए तथा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष विधायक रवींद्र दादा चव्हाण के नेतृत्व में विश्वास जताते हुए, आज वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिती में वसई तथा बोईसर विधानसभा क्षेत्रों से अनेक प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने भाजपा का दामन थामा।

यह भव्य सार्वजनिक पार्टी प्रवेश कार्यक्रम भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय, नरीमन पॉइंट, मुंबई में संपन्न हुआ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के शुभ हस्तों से नवप्रवेशित कार्यकताओं का भाजपा परिवार में स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में बहुजन विकास अघाड़ी और शिवसेना से जुड़े कई वरिष्ठ पदाधिकारी, नगरसेवक, तथा सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रमुख रूप से शामिल होने वाले गणमान्य व्यक्तियों में श्रीमती शकुंतला नागेश शेल्के (पूर्व नगरसेविका, बहुजन विकास अघाड़ी), गणेश गजानन धूमल (युवा अध्यक्ष, बी.वी.ए. शिवभीमनगर), नागेश शेल्के (संस्थापक एवं अध्यक्ष, साई चैरिटेबल ट्रस्ट), रोहित पाटिल, जयेश हेमंत धूमल, कल्पेश जगन मोहिते, वर्शी भानुशाली (जिला प्रमुख, भारतीय लहूजी सेना, पालघर), अंकुश सीताराम शेल्के (महाराष्ट्र परिवहन सेना), अनिल धनी सिंह (अध्यक्ष, उत्तर भारतीय महासंघ) तथा सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे। इसके अतिरिक्त किशोर मोहिते (उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र प्राथमिक शिक्षक संघ) सहित अनेक सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े लोग भी भाजपा में सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि ह्लवसई-विरार क्षेत्र में भाजपा संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। आज का यह जनसमर्थन आने वाले नगर निगम चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत का संकेत है।

इस सार्वजनिक प्रवेश से भाजपा की वसई और बोईसर विधानसभा में संगठनात्मक शक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भगिनी समाज स्कूल में कचरा प्रबंधन पर जनजागरण अभियान आयोजित

पालघर (उत्तरशक्ति)। एक ही लक्ष्य शहर रहे स्वच्छ इस मूलमंत्र को साकार करण्य के उद्देश्य से स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान (नागरी) 2.0 के अंतर्गत पालघर नगर परिषद द्वारा भगिनी समाज संस्था संचालित प्राथमिक विद्यालय भगिनी समाज स्कूल में कचरा प्रबंधन विषय पर जनजागरण अभियान आयोजित किया गया। यह अभियान नवनाथ वाठ, संचालक, स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान (नागरी) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक स्कूल की मुख्याध्यापिका प्रीती वर्तक ने किया। इस अवसर पर मार्गदर्शक ओमकार जाधव एवं सत्यजित निकम ने विद्यार्थियों को कचरा प्रबंधन विषय पर विस्तृत जानकारी दी। इस अभियान में कक्षा पहली से सातवीं तक के लगभग 800 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभाग लिया। जनजागरण कार्यक्रम के दौरान कचरा निर्माण, कचरे के विभिन्न प्रकार, प्रदूषण, उसके प्रकार एवं नियंत्रण के उपाय, स्वच्छ आदतें तथा फाइव आर (रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकिल, रिफ्यूज, रिकवर) जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को प्रात्यक्षिक के माध्यम से मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही कचरे के प्रकार के अनुसार रंग आधारित डस्टबिन के उपयोग की जानकारी भी दी गई। जिसमें हरा डस्टबिन में गीला कचरा, नीला डस्टबिन में सूखा कचरा, लाल डस्टबिन में घरेलू हानिकारक कचरा,काला डस्टबिन में सैनेटरी कचरा के लिए उपयोग करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर टाकाऊ वस्तुओं से निर्मित टिकाऊ थैलियाँ स्कूल को भेंट स्वरूप प्रदान की गईं। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विद्यालय के शिक्षक दर्शन भंडारे ने किया।

डीसीपी दत्ता नालावडे से स्नेहिल मुलाकात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के अंधेरी स्थित एमआईडीसी के डीसीपी दत्ता नालावडे से भाजपा नेता रामबिलास पाठक, भाजपा नेता शुभांशु दीक्षित सहित कई लोगों ने उनके कार्यालय पर स्नेहिल मुलाकात कर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किए।

वंदे मातरम् गीत के 150वें वर्ष पर पालघर में भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर पालघर जिलाधिकारी कार्यालय के जिला नियोजन सभागृह में जिला स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड ने की।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अपर जिलाधिकारी भाऊसाहेब फटांगरे, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे, उपजिलाधिकारी रविंद्र राजपूत, रणजीत देसाई, (रोहयो) विजया जाधव, तेजस चव्हाण समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, आईटीआई एवं स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित थे। जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड ने अपने उद्बोधन में कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत के स्वातंत्र्य संग्राम की आत्मा है। इस गीत की हर पंक्ति में मातृभूमि के प्रति प्रेम, एकता और बलिदान की भावना झलकती है। यह गीत स्वातंत्र्य की भावना का शक्तिस्रोत है। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को वंदे मातरम् के अर्थ, इतिहास और भावनात्मक पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बंकिमचंद्र चटोपाध्याय ने इसे अपनी प्रसिद्ध कृति आनंदमठ में लिखा था।

1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे कांग्रेस अधिवेशन में गाया था, और 1905 में बंगाल विभाजन विरोधी आंदोलन का यह प्रमुख प्रतीक बना। मादाम भीकाजी कामा ने जब विदेश में पहली बार तिरंगा फहराया, तब वंदे मातरम् शब्द उस ध्वज पर अंकित थे। उन्होंने आगे कहा कि 1950 में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा में घोषणा की थी कि वंदे मातरम्को जन गण मन के समान ही सम्मान और दर्जा प्राप्त होगा। जिलाधिकारी डॉ. जाखड ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल स्मरण नहीं, बल्कि देशभक्ति की भावना का पुनर्जागरण है। इस माध्यम से युवाओं और विद्यार्थियों में देशप्रेम, एकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत करना ही इस उपक्रम का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका और वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुई, जिससे सभागार में देशभक्ति की गूंज और उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ।

कर्णावती विवि ने दीक्षांत समारोह में एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से किया सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कर्णावती विश्वविद्यालय ने अपने छठे दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन कर एक गौरवपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि का जश्न मनाया। यह समारोह विश्वविद्यालय परिसर, गांधीनगर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह, श्रीमती सरिता सिंह, एएफएफडब्ल्यूए की अध्यक्ष, और सुप्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता व निर्देशक श्री सौरभ शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथियों का विश्वविद्यालय परिवार ने गर्मजोशी और सम्मान के साथ स्वागत किया।

कर्णावती विश्वविद्यालय के अध्यक्ष श्री रितेश हाड़ा ने औपचारिक रूप से दीक्षांत समारोह की घोषणा की और अध्यक्षीय संबोधन में विश्वविद्यालय की यात्रा, समग्र एवं समकालीन शिक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता तथा समाज की सेवा के लिए दृष्टि और निष्ठा से युक्त नागरिक तैयार करने के दायित्व पर प्रकाश डाला। समारोह के दौरान, एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह को राष्ट्र सेवा में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और विशिष्ट योगदान के लिए कर्णावती विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। सम्मान प्राप्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह उनके लिए ह्लएक अत्यंत अर्थपूर्ण क्षण है, विशेष रूप से ऐसे समय में जब सीखने और नेतृत्व की परिभाषा तेजी से बदल रही है। उन्होंने कहा ह्लमैं हमेशा मानता हूँ कि सीखना कभी रुकना नहीं चाहिए। यह जीवन का निरंतर हिस्सा बना रहना चाहिए, चाहे हम किसी भी चरण में हों। याद रखें, यह यात्रा यहाँ समाप्त नहीं होती – यह तो बस शुरूआत है। जीवन में अनेक पड़ाव आएंगे, और हर कदम पर सीखते रहना ही सच्ची प्रगति है।

स्नातक विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने उन्हें उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी और आगे की यात्रा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, ह्लचाहे कोई विद्यार्थी हो, शिक्षक हो या नेता – हर कोई किसी भी क्षण आपको कुछ सिखा सकता है। मैं स्वयं हर दिन कुछ नया सीखता हूँ। जीवन आपको जहाँ भी ले जाए, विनम्र रहिए, अपनी जड़ों से जुड़े रहिए, और सबसे पहले एक अच्छे इंसान बनिए – यहीं से सच्ची महानता की शुरूआत होती है। जो भी हमें बाँटता है, वह अच्छा नहीं। भारत से जुड़ाव बनाए रखिए – आप सबसे पहले भारतीय हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बाराबंकी में पत्नी के हत्यारे को उम्रकैद की सजा

बाराबंकी (उत्तरशक्ति)। जिला न्यायाधीश कोर्ट ने पत्नी का गला काटने के बाद सिर हाथ में लेकर घूमने वाले पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही 25 हजार रुपए जुमार्ना अदा करने का भी आदेश दिया है। फैसला सत्र न्यायाधीश प्रतिमा श्रीवास्तव ने शुक्रवार को सुनाया।

डीजीसी क्रिमिनल अमित अवस्थी ने बताया, मसौली थाना क्षेत्र के भूलीगंज के रहने वाले लाल बहादुर ने फतेहपुर थाने में 16 फरवरी 2024 को लिखित तहरीर देकर बताया कि उसने अपनी बेटी वंदना की शादी आठ साल पहले फतेहपुर थाना क्षेत्र के बसारा गांव के रहने वाले अनिल कुमार के साथ की थी। उसकी बेटी के दो बच्चे हैं।

वादी ने बताया था, अनिल कुमार अक्सर उसकी बेटी पर विभिन्न आरोप लगाते हुए प्रताड़ित करता रहता था। 16 फरवरी 2024 को

गला काटने के बाद सिर हाथ में लेकर गांव में घूमा था

सुबह 9 बजे सूचना मिली कि उसके दामाद अनिल कुमार ने उसकी बेटी वंदना की बांके से गला काटकर हत्या कर दी है। अनिल ने हत्या करने के बाद मृतका का सिर झोले में रखकर और एक हाथ मे बांका लेकर गांव में घूम रहा है।

वादी की तहरीर पर पुलिस ने अनिल कुमार के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की। तत्कालीन विवेचक इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार सिंह द्वारा साक्ष्य संकलन कर वैज्ञानिक विधि से विवेचना पूरी कर आरोपी अनिल कुमार पुत्र स्व. बनवारी लाल के खिलाफ चार्जशीट फाइल की गई।

इस मामले में अभियोजन ने ठोस गवाह पेश किए 'गवाही और अभियोजन व बचाव पक्ष के वकीलों की बहस सुनने के बाद सेशन्स जज प्रतिमा श्रीवास्तव ने आरोपी अनिल कुमार को दोषी करार देते हुए उसे आजीवन कारावास और 25 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई।

अस्पतालों की पार्किंग लापरवाही पर पुलिस सख्ती, 427 वाहनों का चालान, 13 वाहन सीज

पॉलिटेक्निक चौराहे से नईगंज तक हॉस्पिटल और नर्सिंग होम की जांच, 20 वाहन जब्त, दी गई चेतावनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर-2025 के तहत शुक्रवार को यातायात पुलिस ने शहर में सघन अभियान चलाया। अभियान का केंद्र बिंदु रहा शहर के प्राइवेट हॉस्पिटल और नर्सिंग होम्स की अव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था।

प्रभारी यातायात सुशील कुमार मिश्र के नेतृत्व में टीम ने पॉलिटेक्निक चौराहे से नईगंज तक स्थित सभी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम्स की जांच की। कई संस्थानों के पास पार्किंग की व्यवस्था न होने या होते हुए भी सही उपयोग न किए जाने से आने-जाने वाले मरीजों व राहगीरों को जाम की समस्या झेलनी पड़ रही थी। स्थिति गंभीर देख पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और 20 वाहनों को पुलिस लाइन, यातायात कार्यालय लाकर प्रवर्तन की कार्यवाही की।

अस्पताल संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई कि यदि आगे सड़क पर वाहन खड़े मिले तो मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अभियान के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर लाउडस्पीकर से घोषणाएं कर लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक किया गया। वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने, तीन सवारी न बैठाने, तेज रफ्तार से वाहन न चलाने तथा वाहनों के शीशों पर काली फिल्म न लगाने की हिदायत दी गई। मौके पर कई वाहनों से काली फिल्म उतरवाई गई। प्रभारी यातायात सुशील कुमार मिश्र ने बताया कि अभियान के दौरान 427 वाहनों का चालान किया गया और 13 वाहनों को सीज किया गया। उन्होंने कहा कि अस्पतालों व नर्सिंग होम्स को अपनी पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त करनी होगी। सड़क पर खड़ा वाहन अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शाहगंज में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को मिली कानूनी जानकारी

महिलाओं को बताए गए अपने अधिकार और दी गयी कानून की जानकारी

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को नगर के कोतवाली रोड सहित अन्य स्थानों पर पहुंच कर मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीम द्वारा बालिकाओं को एकत्रित कर मिशन शक्ति फेज-5 के तहत उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए तथा हेल्पलाइन नंबरों पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, 108, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वीमेन हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, साइबर अपराध 1930, तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न योजनाओं विधवा पेंशन योजना वृद्धावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना नशा मुक्ति भारत अभियान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व लैंगिक तथा महिला से सम्बंधित कानूनों के बारे में अवगत कराया गया।

उक्त मौके पर उप निरीक्षक अजय सिंह, विनय सिंह, महिला कांस्टेबल सन्ध्या एवं प्रियांशू प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में त्वरित निस्तारण से जनता में बढ़ा विश्वास

थाना समाधान दिवस पर पड़े नौ प्रार्थना पत्रों में दो का मौके पर निस्तारण

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया।शनिवार को डिप्टी एसपी अजीत सिंह चौहान की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया।जिसमें कुल नौ प्रार्थना पत्र पड़े।उसमे से दो प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया।अन्य शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बन्धित विभाग को सौंपते हुए डिप्टी एसपी अजीत सिंह चौहान ने जल्द निस्तारण का निर्देश दिया।

वहीं इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक किरण कुमार सिंह ने कहा की पुलिस जनता की सेवा और मदद के लिए चौबीस घण्टे ततपर है। हमारा मुख्य उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा और अपराध पर अंकुश लगाना है। उक्त मौके पर उप निरीक्षक विनोद कुमार, सैय्यद हसन रिजवी, विनय कुमार,अजय सिंह, कानून गो संजय सिंह, लेखपाल ऋतुराज चौधरी, सदानंद भट्ट सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बनारस से खजुराहो रवाना हुई वंदेभारत एक्सप्रेस, पीएम मोदी ने दी हरी झंडी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। शनिवार की सुबह बनारस रेलवे स्टेशन का नजारा कुछ और ही था। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी से खजुराहो जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, पूरा स्टेशन हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। लोगों ने हाथ उठाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया, मोबाइल की फ्लैशलाइटें जगमगा उठीं और नई चमचमाती वंदेभारत एक्सप्रेस गति पकड़ती हुई खजुराहो की ओर रवाना हो गई।

आठ कोच वाली इस उद्घाटन विशेष ट्रेन में पहले ही दिन 400 से अधिक यात्रियों ने सफर किया। सुबह ठीक 8 बजकर 41 मिनट पर ट्रेन बनारस से रवाना हुई और शाम 4 बजकर 30 मिनट पर खजुराहो पहुंचने का उसका तय कार्यक्रम है।

यह पहला मौका था जब बनारस रेलवे स्टेशन के किसी प्लेटफॉर्म से स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रेन को रवाना किया। सुबह 8 बजकर 16 मिनट पर जैसे ही वे प्लेटफॉर्म नंबर 8 पर पहुंचे, पूरा वातावरण उत्साह और श्रद्धा से भर उठा। प्रधानमंत्री ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले यात्रियों का अभिवादन किया और फिर मुस्कुराते हुए हाथ हिलाया। इस मौके पर उन्होंने एक नहीं, बल्कि चार ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई वाराणसी से खजुराहो वाली ट्रेन का उद्घाटन उन्होंने स्वयं स्टेशन पर मौजूद रहकर किया, जबकि लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर कैंट-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदेभारत एक्सप्रेस का शुभारंभ ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, जिन्होंने स्टेशन परिसर में प्रधानमंत्री का स्वागत किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य जनप्रतिनिधि भी इस अवसर पर मौजूद रहे। जैसे ही प्रधानमंत्री ने ट्रेन को रवाना किया, प्लेटफॉर्म नंबर 8 पर खड़े सैकड़ों लोग हर-हर

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा स्टेशन

महादेव, हर-हर मोदी के जयघोष में एकसाथ गूंज उठे। माहौल में उत्सव और आस्था दोनों की गूंज थी—एक ओर काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा, दूसरी ओर विकास का नया अध्याय।

बनारस से चलने वाली आठवीं वंदेभारत एक्सप्रेस: इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने बताया कि यह बनारस से चलने वाली आठवीं वंदेभारत एक्सप्रेस है। फिलहाल काशी से चलने वाली प्रमुख ट्रेनों की सूची इस प्रकार है ...

ट्रेन नंबर 02582/02581 वाराणसी-खजुराहो-वाराणसी
ट्रेन नंबर 22415/22416 वाराणसी-नई दिल्ली-वाराणसी
ट्रेन नंबर 22435/22436 वाराणसी-नई दिल्ली-वाराणसी
ट्रेन नंबर 22500/22499 वाराणसी-देवघर-वाराणसी
ट्रेन नंबर 22489/22490 वाराणसी-मेरठ-वाराणसी
ट्रेन नंबर 22345/22346 गोमतीनगर-वाराणसी-पटना
ट्रेन नंबर 20887/20888 वाराणसी-रांची-वाराणसी
ट्रेन नंबर 20175/20176 वाराणसी-आगरा कैंट-वाराणसी

चार नई वंदेभारत ट्रेनों का शुभारंभ: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन से कुल चार नई वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया। अपने संबोधन की शुरूआत उन्होंने आस्था भरे स्वर में नमः पार्वती पतये हर-हर महादेव के जयकारे से की। इसके बाद भोजपुरी में बोले बाबा विश्वनाथ के ई पावन नगरी में आप सब लोगन के हमार प्रणाम। देव दीपावली पर देखनी कि केतना अद्भुत आयोजन भइल। हम ई विकास पर्व के आप सब लोगन के शुभकामना देत हई।

मोदी ने कहा कि आज वंदेभारत, नमो भारत और अमृत भारत ट्रेनें भारतीय रेल की नई पीढ़ी की नींव रख रही हैं। पिछले 11 सालों में उत्तर प्रदेश में जो विकास कार्य हुए हैं, उन्होंने तीर्थाटन और पर्यटन दोनों को नए मुकाम पर पहुंचा दिया है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन हेतु काशी आए। वहीं, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद 6 करोड़ से ज्यादा लोग दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे। इन यात्राओं ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ रुपये का लाभ पहुंचाया है।

उन्होंने कहा कि होटल, परिवहन, नौकायन, पर्यटन, और बनारसी साड़ी के कारोबार से लेकर छोटे व्यापारियों तक हर किसी को इसका सीधा फायदा हुआ है। आज काशी के सैकड़ों युवा ट्रांसपोर्ट, पर्यटन और बनारसी साड़ी उद्योग में नए व्यवसाय शुरू कर रहे हैं। यह काशी में समृद्धि के नए द्वार खुलने का संकेत है।

प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान स्टेशन परिसर का माहौल भावनाओं और उल्लास से सराबोर था। हर चेहरा गर्व से दमक रहा था, हर नारा उत्साह से गूंज रहा था,और बनारस, अपने पूरे आभामंडल के साथ, विकास और विश्वास दोनों की गवाही दे रहा था।

मेरठ में प्रेमी ने 3 गोली मारी, पत्नी कहती रही- जल्दी हत्या करो, साथ रहेंगे

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मेरठ में राहुल की हत्या करवाने वाली पत्नी अंजली उसे देवता की तरह पूजती थी। उसे रील्स बनाने का बहुत शौक था। वह रील्स में कहती मेरे पति ही मेरी दौलत हैं, मेरा सबकुछ हैं। लेकिन इन्हीं रील्स पर आने वाले कमेंट ने उसे पति का हत्यारा बना दिया। अंजली के फॉलोअर कहते कि भाभी जी जोड़ी जम नहीं रही। इंस्टाग्राम पर ऐसे ही कमेंट से अंजली अपने पति राहुल से दूर होती गई। इसी बीच उसका गांव के ही रहने वाले अजय नाम के

युवक से संबंध हो गया। उसके साथ मिलकर अंजली ने पति की हत्या की प्लानिंग रची। बीती 1 नवंबर को अजय ने 3 गोली मारकर राहुल की हत्या कर दी। परीक्षितगढ़ पुलिस ने 6 नवंबर को हत्याकांड का खुलासा किया।

ग्यारहवीं की छात्रा का लाश मिली रेलवे ट्रैक पर

मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जंघई-प्रयागराज रेल खंड पर मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कथरीपुर गरियांव गांव में रेल पटरी के किनारे गुरुवार की शाम प्रयागराज के सरायममरेज जंघई निवासी प्रियांशी तिवारी (16)का क्षत-विक्षत शव मिला। आशंका जताई जा रही है कि मां की डांट से नाराज होकर उसने आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाया है।

प्रियांशी आरडी मेमोरियल विद्यालय जंघई में कक्षा 11 की छात्रा थी। स्कूल में जाने के बजाय वह मोबाइल चला रही थी। इस पर मां ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। कुछ समय घर में रहने के बाद शाम लगभग चार बजे वह सहेली के घर जाने की बात कहकर निकली। देर शाम किसी ने रेल पटरी के किनारे शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। उसके सिर में गहरी चोट थी। मुंगराबादशाहपुर थाना प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र कुमार पांडेय मौके पर पहुंच गए। तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। काफी प्रयास करने के बावजूद शिनाख्त न होने पर शव जिला अस्पताल भेजकर मोर्चरी में रखवा दिया। शुक्रवार की दोपहर स्वजन संग जिला अस्पताल आए प्रयागराज जिले के सराय ममरेज थाना के जंघई निवासी बैजनाथ तिवारी ने शव देखकर उसकी शिनाख्त अपनी पुत्री के रूप में की। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया छानबीन से ऐसा लगता है कि किशोरी आत्महत्या के इरादे से किसी ट्रेन के आगे कूदी और धक्का लगने से ट्रैक के किनारे जाकर गिरी। इससे सिर में गहरी चोट आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर प्रक्रिया पूरी की।

विधिक सेवा दिवस के अवसर पर 9 नवम्बर को होगा विविध कार्यक्रमों का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रशांत कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार विधिक सेवा दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन 09 नवम्बर 2025 को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा मुख्यालय, तहसील, ब्लॉक, विद्यालयों एवं विधि महाविद्यालयों में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविरों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर जागरूकता रैलियों का भी आयोजन किया जाएगा, जिनके माध्यम से आम जनमानस को उनके विधिक अधिकारों एवं विधिक सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विधिक जानकारी पहुँचाना है, जिससे कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित न रहे और न्याय तक सबकी समान पहुँच सुनिश्चित हो सके।

फूल तोड़ने के लिए निकले थे ट्रेन की चपेट में आने से मौत

मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के बादशाहपुर रेलवे स्टेशन के समीप वाराणसी प्रतापगढ़ रेल प्रखंड पर सुबह करीब सवा 6 बजे ट्रेन की चपेट में आने से फूल तोड़ने के लिए निकले वृद्ध की मौत हो गई। मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु रवाना किया। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के साहबगंज मोहल्ला निवासी श्रीराम गुप्त (60)पुत्र जगन्नाथ गुप्त प्रतिदिन की तरह शुक्रवार को भी रेलवे फाटक के पास पेड़ों से फूल तोड़ने के लिए निकले थे। सुबह करीब सवा 6 बजे रेलवे ट्रैक के पास से पैदल चलने के दौरान अचानक पैर फिसलने से प्रतापगढ़ से वाराणसी जा रही 14004 मालदा टाउन एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु रवाना किया।इस बाबत थानाध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार पांडेय ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंची और घटना की जानकारी ली ।

अब पुलिस के दम पर बिजली विभाग लगवाएगा स्मार्ट मीटर

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय और मानीकलां में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर विद्युत विभाग के अधिकारी अब पुलिस का सहारा लेंगे। यूं कहें कि पुलिस के दम पर लाठियां की बदौलत अब जनता को दबाने का प्रयास शुरू हो गया है।

बिजली विभाग की कारस्तानी से जनता में बढ़ने लगा आक्रोश
आखिर क्यों नहीं जनता का भरोसा जीत पा रहे हैं अधिकारी

विधुत विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों की इस कारस्तानी से खेतासराय कस्बा, मानीकला, गुरैनी क्षेत्र के नागरिकों में भारी आक्रोश बढ़ने लगा है। लोग अब विभाग के खिलाफ खुलकर धरना प्रदर्शन करने का मन बना रहे हैं। इस मामले को लेकर वह प्रदेश सरकार के मंत्री और क्षेत्रीय विधायक से भी मिल कर इस तरह का उत्पीड़न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाने लगे हैं।

इस पूरे मामले में सबसे अहम बात यह है कि बिजली विभाग आखिर जनता का भरोसा क्यों नहीं जीत पा रहा है। स्मार्ट मीटर के नाम पर इतना बिल आता है कि जनता उसे देखकर पूरी तरह से घबरा गई है।

उधर स्मार्ट मीटर लगाने के दौरान मौके पर मौजूद विद्युत एसडीओ सौरभ मिश्रा जनता के साथ अभद्र व्यवहार करने में नहीं चुकते। उनका ऐसा कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वह खुलेआम जनता को धमकाते हैं बिजली कनेक्शन काटने की बात करते हैं,लेकिन वह भूल जाते हैं कि वह एक सरकारी कर्मचारी है और जनता के नौकर है।

विद्युत निगम की तानाशाही से लोगों में आक्रोश है। नागरिकों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाने के लिए निगम उतारू है। विधुत परिषद के उच्चाधिकारियों ने भी स्पष्ट कर चुके है। किसी भी उपभोक्ता को किसी भी आदेश को थोपने से पहले उन्हें वृहद पैमाने पर जागरुकता चलाने की आवश्यकता है।

स्वच्छता, शारीरिक ही नहीं मानसिक, सामाजिक भी हो: डॉ.जाह्नवी

मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के मनोविज्ञान विभाग में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एक प्रेरणादायक स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान में विभाग के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और परिसर की सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

इस दौरान डॉक्टर जान्हवी श्रीवास्तव में कहा कि स्वच्छता, शारीरिक, मानसिक और सामाजिक तीनों जगहों पर दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल शारीरिक स्वच्छता को बढ़ावा देना था, बल्कि मानसिक स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी जागृत करना था।

विभाग के शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, स्वच्छता केवल एक कार्य नहीं, बल्कि एक संस्कार है, जिसे युवा पीढ़ी के माध्यम से समाज में गहराई तक पहुँचाया जा सकता है। कार्यक्रम का समापन स्वच्छ परिसर, स्वस्थ मन के संकल्प के साथ हुआ। अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने कक्षाओं, गलियारों और विभागीय परिसर की सफाई की। इस अवसर पर कुंकुम, सिद्धार्थ, पूजा कृष्णा, श्रेया, यशिका, सुमित आदि छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया।

थाना सिकरारा में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में आज थाना सिकरारा में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से सुनते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से किया जाए।

उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है। किसी भी प्रकरण में लापरवाही या टालमटोल की स्थिति पाई जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से मौके पर जाकर जांच कर आपसी विवादों एवं भूमि संबंधी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर थाना प्रभारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने गुमशुदा मोबाइल एवं धोखाधड़ी में गंवाए गए रुपये बरामद कर उनके स्वामियों को किया सुपुर्द

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर पुलिस द्वारा गुमशुदा मोबाइल फोन एवं धोखाधड़ी में गंवाए गए रुपये बरामद कर संबंधित स्वामियों को सुपुर्द पहल के अंतर्गत उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई है। इस अभियान के तहत साइबर थाने की पुलिस टीम द्वारा तकनीकी माध्यमों से ट्रेस कर

आमजन ने पुलिस की सराहना करते हुए जताया आभार, जनपद जौनपुर पुलिस द्वारा जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान मोबाइल बरामदगी अभियान एवं साइबर फ्रॉड धन वापसी गुमशुदा मोबाइल फोन तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी (फ्रॉड) के प्रकरणों में ठगे गए रुपये बरामद किए गए, जिन्हें विधिक प्रक्रिया पूर्ण कर संबंधित स्वामियों को सुपुर्द किया गया।

*बरामदगी एवं धन वापसी के दौरान अपने मोबाइल व धन प्राप्त करने वाले लोगों ने जौनपुर पुलिस के प्रति गहरी संतुष्टि एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ह्यपुलिस की सक्रियता और तत्परता से हमारा विश्वास और मजबूत हुआ है।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर, आयुष श्रीवास्तव द्वारा पुलिस टीमों के इस उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए कहा गया कि जनता की सेवा एवं विश्वास बहाली हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। गुमशुदा संपत्ति व साइबर फ्रॉड मामलों में धन वापसी हेतु पुलिस पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

इस अवसर पर यह भी अपील की गई कि नागरिक किसी भी प्रकार के ऑनलाइन लेन-देन में सतर्कता बरतें एवं किसी अज्ञात लिंक, कॉल या संदेश पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।

दिव्यांग बच्चों हेतु उपकरण मापन कैम्प का आयोजन

करंजकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत एलिमको कानपुर द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल के निर्देशन में जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर उपाध्याय व खण्ड शिक्षा अधिकारी करंजकला श्रवण कुमार यादव की देख रेख में विकास खण्ड करंजाकला में 245 बच्चों का मापन हुआ। जिसमें 222 बच्चों को उपकरण के लिए चिन्हित किया जिला समन्वयक शशिधर उपाध्याय ने बताया कि दिव्यांग बच्चों उपकरण मिलने से उनकी शिक्षा बाधित नहीं होगी दिव्यांग बच्चे भी सामान्य बच्चों की तरह विद्यालय आ जा सकते हैं। मौके पर एलिम्को कानपुर से, विशेषज्ञ रामानंद पी डी तिवारी के अलावा विकास खण्ड करंजाकला संतोष मिश्रा, दुष्यन्त सिंह, किरण पाण्डेय, सुषमा, और अन्य विकास खण्डों से आए स्पेशल एजुकेटर ज्योति सिंह, प्रमोद कुमार माली, रंगनाथ दुबे, सतीश मौर्या, ऊर्मिला यादव

शक्ति सिंह, आनन्द यादव, प्रभात गुप्ता संतोष पांडेय, विमल कुमार, कमलेश यादव, शैलेन्द्र यादव, मनप्रभा, अभिषेक मौर्या आदि उपस्थित रहे।

शाहगंज पुलिस ने अपहरण/बालात्कार सहित पाक्सो एक्ट के मुकदमे में एक वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्र0नि0 शाहगंज के नेतृत्व में थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-263/2022 धारा 363,366,376 भा0द0वि0 व 5/6 पाक्सो एक्ट में वांछित आरोपी दीपक कुमार पुत्र जंगबहादुर गौतम निवासी मुस्तफाबाद थाना शाहगंज जौनपुर को आज दिनांक 08.11.2025 को समय 10:50 बजे अतरडीहा तिराहे थाना सरपतहा से गिरफ्तार आवश्यक विधिक कार्यवाही कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

बारिश और चुनाव के कारण महाराजगंज में मनरेगा से मिट्टी खुदाई पर रोक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 15 अक्टूबर से मनरेगा योजना के तहत मिट्टी कार्य शुरू करने का आदेश दिया गया था। लेकिन एक सप्ताह पूर्व - हुई बारिश और विधानसभा चुनाव के चलते महाराजगंज प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में यह कार्य फिलहाल बाधित हो गया है। जिन क्षेत्रों में काम शुरू होना था, वहां अब भी पानी भरा हुआ है, जिससे मजदूरों को कार्यस्थल तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है। सूत्रों के अनुसार बताया जाता है प्रखंड के हाई पाइन में खेतों और तालाबों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इससे मिट्टी कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। पंचायत स्तर पर कई जगह कार्यस्थल की तैयारी पूरी हो चुकी थी, लेकिन अचानक हुई बारिश से सारा कार्यक्रम प्रभावित हो गया। विभागीय सूत्रों का मानें तो ग्रामीण विकास विभाग का लक्ष्य था कि अक्टूबर मध्य से ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा के तहत बड़े पैमाने पर मिट्टी कार्य, तालाब खुदाई, एवं नाला निर्माण जैसे कार्य शुरू किए जाएं ताकि ग्रामीणों को रोजगार मिल सके। मगर प्राकृतिक बाधा और चुनावी व्यस्तता के कारण मजदूरों को फिलहाल इंतजार करना पड़ रहा है। स्थानीय रोजगार सेवकों का कहना है कि कई जगहों पर मिट्टी कार्य की माप-जोख और स्वीकृति प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जैसे ही पानी उतर जाएगा, कार्य को पुनः आरंभ किया जाएगा विभाग की ओर से यह भी निर्देश दिया गया है कि चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने और मौसम अनुकूल होने के बाद कार्य की गति तेज की जाए ताकि तय वित्तीय वर्ष के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। महाराजगंज प्रखंड के मनरेगा कर्मियों का कहना है कि यदि मौसम साथ देता है तो नवंबर के मध्य तक सभी पंचायतों में कार्य पूरी रफ्तार से शुरू हो जाएगा। फिलहाल मजदूरों को अस्थायी रूप से अन्य कार्यों में लगाया जा रहा है ताकि उनकी रोजगार गारंटी बनी रहे इस प्रकार, बारिश और चुनावी गतिविधियों ने ग्रामीण विकास योजनाओं की गति को धीमा जरूर किया है, लेकिन विभाग ने आश्वासन दिया है कि स्थिति सामान्य होते ही मनरेगा के सभी स्थगित कार्य शुरू कर दिए जाएंगे।

केला और मटर की अंतरवर्ती खेती करना किसानों के लिए लाभदायक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के कृषि तकनीकी पदाधिकारी सरहद बघेल ने प्रखंड के किसान सभागार में किसानों के साथ बैठक का कर केले और मटर की अंतरवर्ती फसल प्रणाली के बारे में जानकारी दी। इसका उद्देश्य किसानों को अधिक एवं टिकाऊ खेती की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना है। कार्यक्रम में श्री बघेल ने बताया कि केले की प्रजाति जी-9 एवं बागवानी मटर की अंतरवर्ती फसल प्रणाली का सफल होती है। हर केले की फसल ने उत्कृष्ट वृद्धि, से सशक्त पत्तीय विकास तथा न्यूनतम कीट एवं रोग प्रकोप कम होता है। बताया कि केले की कतारों के मध्य के मटर की बुवाई से भूमि एवं पोषक तत्वों का समुचित उपयोग से फसल की अधिक उपज दमिलती है। कच्छ कम में ध्यान पदाधिकारी के अलावा पंचायत के कृषि सलाहकार और किसान शामिल थे।

पुलिस ने फॉरेस्ट रूफटॉप होटल में चल रहे अवैध हुक्का पार्लर के खिलाफ किया कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीगांव पुलिस स्टेशन की सीमा में फॉरेस्ट रूफटॉप होटल, सराय होटल के पास, काशीगांव, मीरा रोड पूर्व में होटल के ग्राहकों को तंबाकू मिश्रित प्रतिबंधित हुक्का प्रदान कर रहा था उक्त होटल अवैध रूप से प्रतिबंधित हुक्का प्रदान करने में पकड़ा गया, पोहवा सुनील ठाकुर को एक गुप्त सूचना मिली और उक्त सूचना को सत्यापित करने के बाद तदनुसार कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। वापोनी राहुल कुमार पाटिल के आदेश पर, पुलिस ने 07/11/2025 को लगभग 23.00 बजे उक्त स्थान पर छापा मारा। उक्त कार्रवाई में, उपरोक्त प्रतिष्ठान का चालक 1 अब्दुल रफी अब्दुल गफ्फार अंसारी, उम्र 21 वर्ष, निवास अंसारी हाउस। अंसारी कंपाउंड, महाराजा होटल के सामने दहिसर (पु.) मुंबई मूल पता फैजाबाद टी. अयोध्या राज्य-उत्तर प्रदेश, 2 वेटर ऑफिस अब्दुल हकउद्दीन, उम्र 24 वर्ष, गुवाहाटी राज्य असम, 3 वेटर देवीदास हाकिम शिकवार उम्र 19 वर्ष, निवासी। रूफटॉप हुक्का पार्लर में, सराय होटल के पास, काशीगांव मीरा रोड एचआर। जिला।ठाणे मूल पता- गंजाड दाहानु जिला. पालघर, 4 वेटर दुर्गेश विजेंद्र पांडे, उम्र 23 साल, निवासी। रूफटॉप हुक्का पार्लर में, सराय होटल के पास, काशीगांव मीरा रोड जिला.ठाणे मूल पता-गंजद दाहानु जिला पालघर, 5 वेटर गौतम मोहनलाल विश्वकर्मा, उम्र 24 साल, निवासी। कमरा नहीं है। 03 सलीम खान चाल, एसएन दुबे रोड, घरतन पाड़ा, दहिसर मुंबई, मूल पता फतेहपुर टी. बैकी जिला फतेहपुर, उत्तर प्रदेश, ने एक होटल में मौजूद 10 ग्राहकों को अनाधिकृत हुक्का पार्लर उपकरण और सामग्री उपलब्ध कराते हुए पाया गया तथा ग्राहक उक्त स्थान पर हुक्का का सेवन कर रहे थे, काशीगांव पुलिस स्टेशन में जीआर संख्या 500/2025, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों में व्यापार और वाणिज्यिक लेनदेन और उनके उत्पादन, आपूर्ति और वितरण अधिनियम, 2003 की धारा 4 (ए), 6, 21 (ए), 24 के तहत 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उक्त कार्रवाई के दौरान, विभिन्न तंबाकू मिश्रित खिलाड़ी, हुक्का पॉट, हुक्का पाइप और हुक्का धूम्रपान के लिए उपयोग की जाने वाली अन्य सामग्री, जिसकी कीमत 41,355/- रुपये है, जब्त की गई है। उक्त कार्य पुलिस उपायुक्त (अपराध) अतिरिक्त प्रभार जोन 01 संदीप डोईफोडे, सहायक पुलिस आयुक्त, मीरा रोड डिवीजन, गणपत पिंगले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, काशीगांव पुलिस स्टेशन, राहुल कुमार पाटिल के मार्गदर्शन में काशीगांव पुलिस स्टेशन के प्रभारी व अधिकारी द्वारा किया गया है।

अवर निबंधन कार्यालय में सोमवार से रजिस्ट्री पूर्ववत होगी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज के अवर निबंधन कार्यालय में 6 नवंबर को विधान सभा चुनाव को लेकर निबंधन कार्यालय बंद था। ताकि सभी लोग अपना मताधिकार का प्रयोग कर सकें। लोगों की संभावना थी कि चुनाव के बाद के दिन भी जमीन का निबंधन कार्य बाधित रहेगा। भले लोग कम आए लेकिन निबंधन कार्यालय चलता रहा। महाराजगंज जमीन निबंधन पदाधिकारी लखन कुमार ने बताया कि जमीन निबंधन का केवल निर्वाचन के दिन बंद था उसके बाद चालू हो गया था भले लोग शंका में पड़ कर निबंध के बाद के दिनों में कम आए लेकिन कार्यालय चल रहा। सोमवार के दिन से रजिस्ट्री कार्यालय फूल फ्लैजैज शुरू हो जाएगा। लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ई-स्टेपिंग सिस्टम में आई तकनीकी खामियों के कारण कार्यालय का बैलेंस नहीं दिखा रहा है। इसी वजह से संपत्ति की रजिस्ट्री सहित अन्य संबंधित कार्य पूरी तरह से बंद था। लेकिन उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा था। लोगों का कहना है कि रजिस्ट्री बंद होने से उनके जमीन-जायदाद के कार्य अटके हुए थे। जिससे आर्थिक और व्यक्तिगत दोनों स्तर पर नुकसान उठाना पड़ा है। अवर निबंधन कार्यालय के निबंध अधिकारी का कहना है कि सोमवार से पूर्ण रूप से काम शुरू कर दिया जाएगा। अब कोई तकनीकी प्रॉब्लम नहीं आने वाली है।

कुत्ते से टकराई बाइक, पिता की मौत

बलरामपुर। मुबारकपुर-अतरौलिया हाईवे पर बृहस्पतिवार सुबह कुत्ते से बाइक टकरा गई। हादसे में पिता उमाकांत की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक उमाकांत (45) अतरौलिया थाना क्षेत्र के कबीरुद्दिनपुर गांव के निवासी थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के मुताबिक, उमाकांत अपनी पत्नी सरिता (40) और पुत्र अमित (12) के साथ बाइक से बिलरियागंज के ककरही में स्थित अपनी ससुराल गए थे। वहां से घर लौटते समय सुबह करीब आठ बजे मुबारकपुर-अतरौलिया हाईवे पर पहुंचे, तभी अचानक सड़क पर आए कुत्ते से बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलावस्था में परिजन उन्हें रानीपुर सीएससी लेकर पहुंचे, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। वहां से भी स्थिति नाजुक देखकर उन्हें नरौली स्थित एक निजी अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उमाकांत ने दोपहर करीब एक बजे दम तोड़ दिया।

पीएम मोदी ने चार वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

सुरेश गांधी

वाराणसी। वंदे भारत भारतीयों की बनाई हुई ट्रेन है, भारतीयों के द्वारा और भारतीयों के लिएह्व, बनारस रेलवे स्टेशन पर चार नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह वक्तव्य केवल गर्व भरने वाला नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के बढ़ते विश्वास का घोषणापत्र भी था। शनिवार की सुबह काशी से देश को एक साथ चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिली, जिनमें बनारस, खजुराहो, लखनऊ, सहारनपुर, फिरोजपुर, दिल्ली और एनार्कुलम, बेंगलुरु रूट शामिल हैं। इसके साथ ही वंदे भारत ट्रेनों की संख्या 160 से अधिक हो गई है, यानी अब भारत का रेल नक्शा आधुनिकता की तेज रफ़्तार से भरने लगा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की राह पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है, तब इंफ्रास्ट्रक्चर विकास उसकी आधारशिला है। दुनिया के जिन देशों ने विशाल आर्थिक प्रगति की है, वहाँ मजबूत परिवहन और आधुनिक संरचनाएँ हमेशा प्रमुख कारण रही हैं। मोदी ने कहा, ह्लआज वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं। यह रेलवे के परिवर्तन का एक व्यापक अभियान है।ह्व प्रधानमंत्री ने कहा, विकसित काशी से विकसित उत्तर प्रदेश, और विकसित उत्तर प्रदेश से विकसित भारत, यही हमारी यात्रा है। वंदे भारत केवल ट्रेन नहीं, भारत के भविष्य की रफ़्तार है।ह्व प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अपने संसाधनों को बढ़ाने, आधुनिक बुनियादी ढाँचा खड़ा करने और नागरिकों को विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में निर्णायक गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस अवसर पर बाबा विश्वनाथ की धरती को नमन करते हुए काशीवासियों को देव दीपावली के अद्भुत उत्सवों के बाद एक और ह्लविकास पर्वह्व की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, केरल के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी, जॉर्ज कुरियन, रवनीत सिंह बिट्टू सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित या वर्चुअली जुड़े।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर तीर्थ परंपरा को भारत की राष्ट्रीय चेतना का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि भारत में तीर्थयात्राएँ केवल देवदर्शन भर नहीं, बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक एकता की धुरी हैं। प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, चित्रकूट, कुरुक्षेत्र, ये पावन धाम सदियों से भारत की आत्मा को जोड़ते आए हैं। आज जब ये तीर्थ स्थल वंदे भारत नेटवर्क से जुड़ रहे हैं, तो यह यात्रा अनुभव ही नहीं बदल रहा, बल्कि संस्कृति, आस्था और विकास का संगम भी साकार हो रहा है।ह्व यानी यह केवल यात्रियों की सुविधा नहीं, बल्कि विरासत शहरों को विकास के प्रतीक में बदलने का राष्ट्रीय संकल्प है। इन ट्रेनों के संचालन से देश में चल रही वंदे भारत एक्सप्रेस की संख्या 160 से अधिक हो गई है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 11 करोड़ श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ धाम के दर्शन किए, जबकि 6 करोड़ से अधिक भक्त रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या पहुँचे। इन तीर्थयात्राओं ने होटल उद्योग, स्थानीय व्यापार, परिवहन सेवाओं, नाव संचालकों और पारंपरिक शिल्पजगत को हजारों करोड़ रुपये की नई आर्थिक ऊर्जा प्रदान की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10-11 वर्षों में काशी में हुए बदलाव केवल शहर की चमक नहीं बढ़ाते, बल्कि जीवन की गुणवत्ता भी बदलते हैं। उन्होंने बताया, महामना कैंसर संस्थान, शंकर नेत्रालय, बीएचयू ट्रॉमा सेंटर, शताब्दी अस्पताल, पांडेयपुर संभागीय अस्पताल जैसी स्वास्थ्य सुविधाएँ वाराणसी और पूरे पूर्वांचल को ह्लस्वास्थ्य राजधानीह्व बना चुकी हैं। पहले जहाँ कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए लोगों को खेत - बाड़ी बेचकर मुंबई जाना पड़ता था, वहीं अब आयुष्मान और जन औषधि केंद्रों ने लाखों परिवारों को राहत दी है।

सरकार के मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार से सम्मानित हुए मूर्तिकार व शिल्पकार

प्रयागराज (उत्तरशक्ति) । उ0 प्र0 माटीकला बोर्ड प्रयागराज के तत्वाधान में मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय आशीर्वाद गेस्ट हाउस जगराम चौराहा, कटरा-प्रयागराज में किया गया। पुरस्कार कार्यक्रम में प्रयागराज मण्डल के जनपदों, प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर व कौशाम्बी से प्रजापति समाज से जुड़े अनेकों मूर्तिकारों/शिल्पकारों द्वारा अपनी-अपनी स्वरचित कला कृतियों के साथ प्रतिभाग किया। जिनमें उत्कृष्टता के आधार पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार के रूप में निर्णायक मण्डल के प्रसिद्ध कलाकार रवीन्द्र नाथ कुशवाहा सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उ०प्र०, कलाकार तलत महमूद , मूर्तिकार डॉ.सौमिक नन्दी असि० प्रोफेसर इ.वि.वि., साधना गोस्वामी कला अध्यापिका बेथनी कान्वेंन्ट द्वारा चयन किया गया। जिसमें प्रथम पुरस्कार जंगबहादुर प्रजापति प्रयागराज, द्वितीय पुरस्कार स्वेता प्रजापति प्रयागराज, तृतीय पुरस्कार धर्मेंद्र कुमार प्रजापति प्रतापगढ़ को क्रमशः 15000/- 12000/- 10000/- की धनराशि तथा प्रमाण-पत्र, स्मृति-चिन्ह, अंग-वस्त्र प्रदान किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि व निर्णायक मंडल का माल्यार्पण व अंगवस्त्र से सम्मान हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरू प्रसाद मौर्य, मा0 विधायक फाफामऊ ने पुरस्कार प्रदान किया तथा उ0प्र0 सरकार द्वारा प्रजापति समाज के लोगों के जीवन स्तर के उत्थान हेतु उ0प्र0 माटीकला बोर्ड के गठन पर सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि माटीकला की योजनाओं का लाभ प्रजापति समाज के लोगों द्वारा अधिक से अधिक लिया जाये। इस अवसर पर सुनील कुमार, ओम प्रकाश मौर्य, नन्द लाल पटेल, महेंद्र कुशवाहा, विश्राम, अमित कुमार, राम लाल, दिनेश दूबे, आशीष यादव, अनुज उपाध्याय, राजेश पाडे. आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राकेश मोहन गुप्ता, ज्येष्ठ लेखा परीक्षक परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय प्रयागराज द्वारा किया गया।

माघ मेला में 2800 बसें चलाने की तैयारी

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। माघ मेला को लेकर यूपी रोडवेज ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। माघ मेले के दौरान रोडवेज द्वारा कुल 2800 बसों का संचालन किया जाएगा। इस दौरान 200 बसों को रिजर्व में भी रखा जाएगा ताकि जरूरत पड़ने पर ऑन डिमांड इनका इस्तेमाल किया जा सके। बीते कुछ वर्षों के मुकाबले अगले वर्ष लगने वाले माघ मेले में ज्यादा भीड़ आने की संभावना है। इसी वजह से श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए रोडवेज ने बसों का संचालन प्लान तैयार किया है। महाकुंभ की तर्ज पर माघ मेले के दौरान भी अस्थायी बस स्टेशन का ज्यादा से ज्यादा उपयोग होगा। प्रमुख स्नान पर्व के मौके पर सिविल लाइंस और जीरोरोड बस स्टेशन से बसें संचालित नहीं होंगी। झूंसी स्थित अस्थायी बस स्टेशन से गोरखपुर, देवरिया, मऊ, आजमगढ़, बदलापुर, बलिया, वाराणसी और टांडा मार्ग के लिए बसें चलेंगी। सामान्य दिनों में यहां से बसें नहीं चलती हैं लेकिन मेला अवधि में 730 बसें यहां से संचालित होंगी। मुख्य स्नान पर्व पर यह संख्या बढ़कर 1440 तक पहुंच जाएगी। इसके अलावा यहां 100 बसों को रिजर्व में रखा जाएगा। इसी तरह मेला अवधि में नैनी लेप्रोसी मिशन बस स्टेशन से मेला अवधि के दौरान बांदा, चित्रकूट, मिजार्पुर, रीवा के लिए 260 बसें संचालित होंगी। मुख्य स्नान पर्व पर यह संख्या बढ़कर 590 हो जाएगी। इसी तरह सिविल लाइंस बस स्टेशन से लखनऊ, फैजाबाद, गोंडा, बस्ती, वाराणसी और कानपुर मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलेंगी। यहां मेला के सामान्य दिवस में 380 और स्नान पर्व पर 430 बसें और मेला अवधि में जीरो रोड बस स्टेशन से 95 बसें चलाई जाएंगी। तीन जनवरी से शुरू हो रहे माघ मेले को लेकर बसों का संचालन एक जनवरी से ही शुरू हो जाएगा। मेले के दौरान गोरखपुर, आजमगढ़, वाराणसी, अयोध्या, कानपुर, चित्रकूट धाम, लखनऊ, झांसी और देवी पाटन रीजन की बसें भी चलेंगी। कानपुर रूट की कुछ बसें लीडर रोड से भी संचालित होंगी। माघ मेले की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 2800 बसें चलाने की तैयारी है। 200 बसें रिजर्व में रखी जाएंगी। अस्थायी बस स्टेशनों पर अतिरिक्त कर्मचारी भी तैनाती होंगे।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी 67 पावर

पटना (उत्तरशक्ति)। मोबाइल टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर और भारत का अग्रणी एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने 15000 सेगमेंट के तहत अपने सर्वश्रेष्ठ कैमरा फोन मोटो जी 67 पावर के लॉन्च की घोषणा की है। इसमें विशाल 7000 एमएएच की बैटरी दी गई है। यह डिवाइस अपने सेगमेंट को फिर से परिभाषित करता है, जिसमें सेगमेंट का सर्वश्रेष्ठ 50 एमपी सोनी लिटिया 600 कैमरा है, जिसमें सभी कैमरों से 4 के वीडियो रिकॉर्डिंग की अनूठी सुविधा है, स्लिमर डिजाइन के लिए सिलिकॉन कार्बन टेक्नोलॉजी के साथ विशाल 7000 एमएएच बैटरी, शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 प्रोसेसर, सेगमेंट की सर्वोच्च मजबूती गोरिल्ला ग्लास 7 आई और एमआईएल - 810 एच के साथ, और एक शानदार 6.7 120 एच जेड एफएचडी प्लस डिस्प्ले, इन सबको एक अल्ट्रा-प्रीमियम पैंटोन क्यूरेटेड वेगन लेदर डिजाइन में पेश किया गया है। टी एम नरसिम्हन, मैनेजिंग डायरेक्टर, मोटोरोला इंडिया ने कहा कि मोटो जी 67 पावर को लॉन्च करते हुए हमें बहुत गर्व हो रहा है। हम 15000 रुपये से कम कीमत में सबसे अच्छा कैमरा वाला फोन ला रहे हैं। यह लॉन्च मोटोरोला की नई-नई अच्छी चीजें लाने की सच्ची कोशिश दिखाता है। यह ग्राहकों को ऐसा फोन देता है जिसमें कमाल की फोटोग्राफी, लंबे समय चलने वाली ताकत और रोज के कामों के लिए भरोसा सब एक साथ है।

छात्र ने क्लासरूम में खुद को लगाई आग

मुजफ्फरनगर (उत्तरशक्ति)। मुजफ्फरनगर जनपद के बुढ़ाना स्थित डीएवी कॉलेज में शुक्रवार को एक छात्र द्वारा क्लासरूम में खुद को आग लगाने की घटना से हड़कंप मच गया। छात्र की पहचान उज्ज्वल राणा के रूप में हुई है। साथियों के अनुसार, उज्ज्वल ने लेट फीस को लेकर प्रिंसिपल द्वारा कथित बेइज्जती और पिटाई से आहत होकर यह कदम उठाया। हालांकि, प्रबंधन और पुलिस की ओर से इस संबंध में अभी स्पष्ट बयान नहीं दिया गया है।

बताया जा रहा है कि उज्ज्वल को कॉलेज में फीस जमा न होने के चलते क्लास में नहीं बैठने दिया जा रहा था। छात्रों का कहना है कि इस दौरान उसके साथ कथित रूप से सख्त व्यवहार किया गया। इस बात को लेकर वह मानसिक रूप से परेशान था।

शुक्रवार को वह क्लास में आया और अचानक अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। मौके पर मौजूद छात्रों और कर्मचारियों ने किसी तरह आग बुझाई और उसे अस्पताल पहुंचाया।

उज्ज्वल ने अस्पताल में दिए कथित बयान में प्रिंसिपल और पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उसने दावा किया कि फीस में देरी की वजह से उसे लगातार डांटा गया और उसके साथ मारपीट की गई।

वहीं कॉलेज प्रबंधन ने कहा है कि मामले की वास्तविक स्थिति की जांच के बाद ही कुछ कहा जाएगा। पुलिस ने परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों और छात्र के साथियों के बयान दर्ज करने शुरू कर दिए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि छात्र द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाएगी और किसी भी पक्ष के खिलाफ ठोस प्रमाण मिलने पर कार्रवाई होगी।

आरसीएफ पुलिस स्टेशन चेंबूर में विशेष बैठक, सामाजिक मुद्दों पर हुई गंभीर चर्चा

मुंबई। मुंबई के चेंबूर स्थित आरसीएफ पुलिस स्टेशन में एक विशेष मुलाकात का आयोजन किया गया, जिसमें पोलीस निरीक्षक (गुन्हे विभाग) गजानन देशमुख से सामाजिक एवं जनहित के विविध मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान आरसीएफ पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान, क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने, तथा नाबालिक बच्चियों के साथ हो रहे अत्याचार एवं बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों पर कठोर कारवाई की आवश्यकता पर विशेष रूप से चर्चा की गई। गजानन देशमुख ने आश्वासन दिया कि ऐसे अपराधियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए पुलिस विभाग पूर्ण तत्परता से कार्य करेगा। इस विशेष चर्चा में समाजसेवक, समाजसेविका एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें परिवर्तन संघटना, भामला फाउंडेशन, सनातन सेना फाउंडेशन, शिवसेना (शिंदे गट) गृह संकुल महाराष्ट्र व मुंबई, के साथ-साथ श्रद्धा गोरगे (ज्योतिष) एवं सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) की विशेष उपस्थिति रही। बैठक का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना और नागरिकों की सुरक्षा एवं कल्याण के लिए पुलिस एवं समाजसेवकों के बीच सहयोग को और अधिक मजबूत करना रहा।

वंदे मातरम गीत को 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में स्नेहा दुबे हुई शामिल

वसई रोड। सेंट पीटर्स कॉलेज, वसई पश्चिम मे आज राष्ट्रगान 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर, वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ सामूहिक रूप से वंदे मातरम् गीत का गायन में शामिल हुई। इस सामूहिक गीत ने वातावरण में अभूतपूर्व ऊर्जा एवं राष्ट्रीय भावना का संचार किया। स्वतंत्रता संग्राम के कठिन दौर में इस वीर गीत ने करोड़ों भारतीयों के मन में देशभक्ति, स्वाभिमान एवं स्वतंत्रता के प्रति अटूट संकल्प जगाया था। आज यही वीर गीत विकसित भारत के संकल्प को और अधिक बल एवं नई दिशा प्रदान कर रहा है। इस समय वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ महाविद्यालय के शेख, राहुल, भाजपा वसई विरार शहर जिला कार्यकर्ता मोर्चा जिलाध्यक्ष सिद्धेश तावड़े, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा वसई विरार जिला अध्यक्ष मैथ्यू कोलासो, वसई पश्चिम मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी, उत्तम कुमार, चंद्रकांत वाजे, मनोज शर्मा, सुरेश प्रजापति, छोटू आनंद, राजू इसाई, सिकेरा, श्रीमती शीला अय्यर, श्रीमती देवयानी शाह, अमोल घरात, भुपेश राऊत, भावेश गोवारी, शेमल अजगिया, हरीश बेदी, प्रकाश जोशी, चंद्रकांत वाजे, नंदू पवार, राजेश नायर, डॉ. सीमा सेंगर सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालयीन विद्यार्थी, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

किशोर ने पंखे में फंदा लगाकर झूला

राजगढ़(उत्तरशक्ति)। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम घोड़ालोटन वार्ड नंबर दो में बृहस्पतिवार की रात एक किशोर ने खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिंक टीम के साथ साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। किशोर अपने ननिहाल में रहता था। परिजनों के मुताबिक, वह साथ में पढ़ने वाली किसी छात्रा से एकतरफा प्यार करता था। उससे बात नहीं होने पर वह परेशान था, जिसके बाद उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। जानकारी के अनुसार, गोला क्षेत्र के चिलवा गांव निवासी कौशल (17) अपने ननिहाल घोड़ालोटन वार्ड नंबर दो में रहता था। नाना बुच्चन प्रसाद अक्सर बीमार रहते हैं। वह उनकी देखभाल के लिए साथ रहता था। कौशल के मामा व पिता विदेश में रहकर नौकरी करते हैं। घर पर केवल मामी रहती हैं। नाना बुच्चन के अनुसार, कौशल उनके साथ ही सोता था। बृहस्पतिवार की रात वह किसी बात को लेकर रो रहा था। उसे परिवार के लोगों ने काफी देर तक समझाया। देर रात भोजन के बाद वह नाना के साथ ही सो गया। तकरीबन एक बजे रात को जब नाना की आंख खुली तो देखा कि कौशल अपने बिस्तर पर नहीं था। वह उसे खोजने लगे तो देखा कि एक कमरे में पंखे से रस्सी के सहारे झूल रहा था। नाना ने इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पंहुची पुलिस ने सुबह शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। प्रभारी निरीक्षक राहुल शुक्ला ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। कौशल दो भाइयों में बड़ा था।

मीरा भायंदर शहर में वरिष्ठ नागरिक केंद्र का प्रताप सरनाईक ने किया उद्घाटन

_तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में वरिष्ठ नागरिक केंद्र का उद्घाटन मंत्री प्रताप सरनाईक ने किया। मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, बुजुर्गों के चेहरों पर मुस्कान वापस लाना ही सच्ची सामाजिक प्रतिबद्धता है। मीरा भायंदर शहर में आज उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मान, स्नेह और आनंद का एक मंच बनाया गया है, जिन्होंने अपना जीवन परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के विकास के लिए समर्पित कर दिया है। हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे कलादलन में जेष्ठ नागरिक केंद्र का उद्घाटन समारोह महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक के तत्वावधान में बड़े उत्साह के साथ किया गया। मंत्री प्रताप सरनाईक की अवधारणा और पहल से निर्मित यह केंद्र केवल मनोरंजन का स्थान नहीं है, बल्कि एक सामाजिक पहल है जो वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में नई जान फूंकती है। आधुनिक तकनीक का उपयोग करके वरिष्ठ नागरिकों के लिए बनाए गए इस केंद्र में पारंपरिक खेल, ऐतिहासिक जानकारी, पुराने गीतों का संग्रह, स्वास्थ्य सुविधाएं और छोटे समूहों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसी कई गतिविधियां शामिल हैं। शतरंज, सांप-सीढ़ी और लूडो जैसे पारंपरिक खेलों को आधुनिक तरीके से पुनः बनाया गया है। 1970 से लेकर आज तक के इतिहास का एक दृश्य प्रदर्शन, पुराने गीतों और स्वर्ण युग की यादों का एक संगीतमय संग्रह। एआई तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य जानकारी और व्यायाम मार्गदर्शन वरिष्ठ नागरिकों के लिए छोटे समूहों में सांस्कृतिक और मिलन कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान करना इस केंद्र के माध्यम से मीरा भायंदर के वरिष्ठ नागरिकों को एक बार फिर समाज में सक्रिय भूमिका निभाने, बातचीत करने और अपने शौक को नई दिशा देने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, मीरा भायंदर तेजी से विकसित हो रहा शहर है। इस शहर की प्रगति के साथ-साथ, हमारे बुजुर्गों के सम्मान, संतुष्टि और खुशी को बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। बुजुर्गों के चेहरों पर मुस्कान लौटाना हमारी सच्ची सामाजिक प्रतिबद्धता है। बुजुर्गों के अनुभव और आशीर्वाद से समाज समृद्ध होता है, इस भावना के साथ निर्मित यह वरिष्ठ नागरिक केंद्र' मीरा भायंदर की सामाजिक और सांस्कृतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।